सूर्योदय दि. 05-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

ओपन SEARCH

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com   Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in   Website | www.opensearch.co.in

निया शर्मा को नहीं मिल रहा काम...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 245 | नई दिल्ली, शनिवार 04 दिसंबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

प्रदूषण कम करने जमीन पर उतरे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण स्तर कम करने के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से गठित पांच सदस्यीय प्रवर्तन कार्य बल (इनफोर्समेंट टास्क फोर्स) को शुक्रवार को मंजूर करते हुए केंद्र एवं संबंधित राज्य सरकारों को निर्देश दिये कि वे एहतियाती उपायों को लागू करने 'जमीन' पर उतरे। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना, न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की पीठ ने प्रदूषण रोकने के उपायों से संबंधित आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि दो दिसंबर के शीर्ष अदालत के निर्देशों पर अमल सुनिश्चित करें। इस मामले में अगली सुनवायी अगले शुक्रवार को की जाएगी। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को केंद्र एवं संबंधित राज्य सरकारों को पटकार लगाते हुए 24 घंटे में ठोस उपाये बताने के निर्देश दिये थे। इसके मद्देनजर आयोग ने हलफनामा दायर कर प्रवर्तन कार्य बल और उड़न दस्ते तैनात करने संबंधी जानकारी आज पीठ को दी। पीठ को केंद्र सरकार ने बताया कि पांच सदस्यीय प्रवर्तन कार्य बल बना दिया गया और उड़न दस्तों की संख्या 17 से बढ़ाकर 40 कर दी जाएगी। ये दस्ते मौके पर जाकर वायु प्रदूषण स्तर कम करने के उपायों को अमल कराना सुनिश्चित करेंगे तथा रोजाना कार्यवाही रिपोर्ट प्रवर्तन कार्य बल को देंगे। आयोग ने अदालत को बताया प्रदूषण कम करने के अन्य उपायों के अलावा सीमित संख्या में थर्मल पावर प्लांट चलाये जा रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि आने वाले समय में थर्मल पावर प्लांटों को कहीं और स्थानांतरित करने करने पर विचार करें। दिल्ली सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील डॉ अभिषेक मनु सिंघवी की गुहार पर कोविड-19 के मद्देनजर अस्पताल भवन निर्माण से संबंधित लंबित कार्यों को पूरा करने की अनुमति दे दी। डॉ. सिंघवी ने अदालती आदेश पर भवन निर्माण संबंधी कार्यों पर रोक का जिक्र करते हुए कहा था कि कोविड के नये रुप के संभावित खतरों के मद्देनजर अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, लिहाजा निर्माण कार्य की अनुमति दी जाए। अदालत ने आयोग द्वारा जारी सभी दिशानिर्देशों का अमल करने का निर्देश देते हुए दिल्ली सरकार की अर्जी स्वीकार कर ली। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने राज्य में कई क्षेत्रों में प्रदूषण कम होने के दावे करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चीनी और दुग्ध उद्योगों को प्रदूषण के मद्देनजर हाल के प्रतिबंधों से छूट देने की गुहार अदालत से की। उन्होंने चीनी उद्योग के संबंध में कहा कि अभी गन्ने की पेराई का मौसम और उन पर किसी प्रकार के प्रतिबंध से किसान प्रभावित होंगे। श्री कुमार ने कहा कि आयोग के ताजा निर्देशों के मुताबकि चीनी मिलों को मात्र आठ घंटे ही चलाने की इजाज है, लेकिन बोयलर से जुड़ी कई तकनीकी समस्या हैं। कम समय संचालन की इजाजत की वजह से यह उद्योग बुरी तरह से प्रभावित होगा।

प्रदूषण पर केंद्र का टास्क फोर्स गठन सुप्रीम कोर्ट को मंजूर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रदूषण स्तर कम करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से गठित इंफोर्समेंट टास्क फोर्स के गठन को शुक्रवार को मंजूर कर लिया। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि प्रदूषण रोकने के उपायों को कड़ाई से लागू करने के सरकार के शपथ पत्र का उन्होंने अध्ययन किया है और उम्मीद है कि उसके मुताबिक कार्रवाई में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। शीर्ष न्यायालय ने वायु प्रदूषण कम करने के उपायों को तत्काल लागू करने के लिए केंद्र की ओर से पांच सदस्यीय

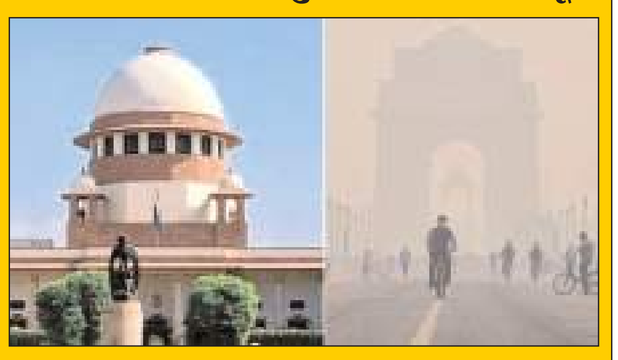

इंफोर्समेंट टास्क फोर्स के गठन की जानकारी के साथ ही 40 फ्लाइंग स्क्वायड शीघ्र बनाने के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए आज संबंधित सरकारों को पिछले अदालती आदेशों एवं निर्देशों को सख्ती से लागू करने करने को कहा है। न्यायालय ने कोविड-19 के मद्देनजर दिल्ली सरकार के अस्पताल भवन निर्माण से संबंधित लंबित कार्यों को पूरा करने की अनुमति दे दी। अदालती आदेश पर भवन निर्माण संबंधी कार्यों पर रोक लगी है।

चक्रवाती तूफान के चलते 65 ट्रेनें रद,स्कूल भी बंद

एनडीआरएफ की टीमें तैनात, भारी बारिश का जारी हुआ अलर्ट

विशाखापट्टनम, नई दिल्ली (एजेंसी)

अगले 12 घंटों के दौरान पश्चिम-मध्य से सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर एक गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान जवाद में बदल जाएगा। चक्रवाती तूफान जवाद के चलते रेल यातायात प्रभावित रहेगा। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम जिले से 3 और 4 दिसंबर को लगभग 65 ट्रेनों को रद कर दिया गया है। शुक्रवार को पूर्वी तट रेलवे ने यह जानकारी दी है।

पूर्वी तट रेलवे के शीर्ष अधिकारी ए.के. त्रिपाठी ने कहा कि चक्रवात जवाद के चलते इन सभी ट्रेनों का रद किया गया है। तूफान के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी विशाखापट्टनम और श्रीकाकुलम जिलों के सभी स्कूलों को शनिवार तक बंद करने का आदेश दिया है। चक्रवात तूफान से निपटने को लेकर केंद्र व राज्य सरकारें पूरी तरह अलर्ट हैं। शुक्रवार को कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने चक्रवाती तूफान जवाद से निपटने के लिए राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों और एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की। वहीं, चक्रवाती तूफान जवाद की वजह से तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा आइएमडी की ओर से इस दौरान उत्तरी महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिमी तटीय इलाकों में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इस बीच, लगभग 46 राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों को ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में 46 टीमों को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल ने कहा कि एनडीआरएफ की कुल 46 टीमों को ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश भेजा गया है। वे वहां पहले से तैनात हैं। किसी भी टीम को एयरलिफ्ट करने की स्थिति पैदा होने पर आईडीएस अलर्ट पर है। साथ ही 18 और टीमें स्टैंडबाय पर हैं। बता दें कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पश्चिम-मध्य से सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर गहरा दबाव अगले 12 घंटों के दौरान एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा और शनिवार सुबह तक उत्तर आंध्र प्रदेश-ओडिशा तट पर पहुंच जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात जवाद की स्थिति से निपटने के लिए राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों और संबंधित एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की है। साथ ही कैबिनेट सचिव ने सभी तटीय राज्यों के मुख्य सचिवों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों या एजेंसियों के साथ स्थिति और तैयारियों की भी समीक्षा की है।

एक नज़र

राष्ट्रवाद पर नसीहत की जरूरत नहीं : उमर

जम्मू (एजेंसी) नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र को विलय के समय राज्य के लोगों से किये गये अपने वादों पर कायम रहना चाहिए।

श्री अब्दुल्ला ने रामबन में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पांच अगस्त- 2019 के फैसलों से जम्मू कश्मीर के युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, हम केवल यह चाहते हैं कि केंद्र को विलय के समय जम्मू कश्मीर के लोगों से किये गये अपने वादों पर कायम होना चाहिए। हम केवल अपनी अनूठी, राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए फुलप्रूफ सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। हमें बताया गया था कि हमारी भूमि, नौकरी और व्यक्तिगत कानूनों की रक्षा की जाएगी।

हम चाहते हैं कि केंद्र उन वादों को पूरा करे। देश में हमारे विश्वास की परीक्षा 1947 में हुई थी। हमें राष्ट्रवाद पर नसीहत की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मौजूदा सरकार देश और जम्मू कश्मीर के मुसलमानों को गहरे अविश्वास की नजर से देख रही है। राज्य के युवा बहुत ही सीमित रोजगार के अवसरों को देखते हुए खुद को अंधेरे से घिरा हुआ पाते हैं, जो उनके लिए और भी कम होता जा रहा है।

मुनाफावसूली का शिकार हुआ बाजार, दो दिन की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक बाजार के सकारात्मक संकेत के बावजूद स्थानीय स्तर पर रिलायंस, मारुति, एसबीआई और आईटीसी समेत 25 कंपनियों में हुई मुनाफावसूली के दबाव में आज शेयर बाजार की पिछले लगातार दो दिन की तेजी पर ब्रेक लग गया।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 764.83 अंक का गोता लगाकर 58 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 57,696.46 और एनएसई का निफ्टी 204.95 अंक लुढ़ककर 17,196.70 अंक पर आ गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों पर मुनाफावसूली का दबाव नहीं रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 25,182.91 अंक पर लगभग सपाट रहा वहीं स्मॉलकैप 0.33 फीसदी चढ़कर 28,421.89 अंक पर पहुंच गया।

ओमिक्रॉन के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर सख्ती के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने कोविड के नए संस्करण 'ओमिक्रॉन' के मद्देनजर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड मानकों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश देते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी

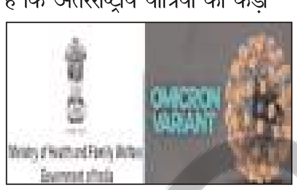

निगरानी की जानी चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने शुक्रवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों को भेजे एक पत्र में कहा कि कोविड का संक्रमण बढ़ने संकेत मिल रहे हैं इसलिए जल स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जानी चाहिए। जोखिम वाले और अन्य राष्ट्रों से आने वाले व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के 'एयर सुविधा' पोर्टल पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबधित अधिकारियों को पहुंच दे दी गयी है। इस पर संबंधित क्षेत्रों में पहुंचने वाले यात्रियों के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं। इसके लिए जरिए यात्रियों का प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। पत्र में कहा गया है कि राज्यों को कोविड संक्रमण के फैलाव को देखते हुए सभी तैयारियां रखनी चाहिए।

स्थानीय स्तर पर आक्सीजन, दवा और भर्ती के पर्याप्त होने चाहिए। लगातार निगरानी संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करती है। संक्रमित पाये जाने पर संबंधित व्यक्ति के संबंधों को 72 घंटों के भीतर तलाशा जाना चाहिए और कोविड मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संक्रमित पाये व्यक्तियों के नमूनों को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जाना चाहिए। श्री भूषण ने कहा कि टीका लेने वाले व्यक्ति संक्रमण से कम प्रभावित होते हैं इसलिए टीकाकरण पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए।

भारतीय निवेश को प्राथमिकता देगा श्रीलंका, जल्द ही अनाज व आवश्यक दवाइयों की खेप भेजा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)

अनाज, दवाइयों और विदेशी मुद्रा की किल्लत से जूझ रहे श्रीलंका को चीन से कोई खास मदद नहीं मिल पा रही है। ऐसे में श्रीलंका को एकमात्र उम्मीद

अब भारत से है। भारत ने भी पड़ोसी धर्म निभाते हुए श्रीलंका को मदद करने के लिए चार सूत्री पैकेज पर सहमति जता दी है। इसके तहत श्रीलंका को जल्द ही अनाज व आवश्यक दवाइयों की खेप भेजी जाएगी। साथ ही उसे विदेशी मुद्रा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह दूसरे देशों से आवश्यक वस्तुओं की खरीद कर सके। इसके अलावा श्रीलंका को ईधन की आपूर्ति भी की जाएगी और उसे भुगतान संतुलन की स्थिति सुधारने के लिए करेंसी स्वैप की सुविधा दी जाएगी। दूसरी तरफ, श्रीलंका ने कहा है कि वह भारत से विभिन्न सेक्टर में होने वाले निवेश को बढ़ावा देगा। यह श्रीलंका के ढांचागत क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के निवेश को बढ़ाने वाला कदम साबित हो सकता है। भारत की दो दिनों की यात्रा करके स्वदेश लौटने के बाद श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे की तरफ से उनके मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान जारी किया है, जो बताता है कि राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे की सरकार किस तरह की चुनौतियों से जूझ रही है। यह भी बताते चलें कि जुलाई 2021 में वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के बाद बासिल राजपक्षे ने पहले विदेश दौरे के तौर पर भारत का ही चयन किया है। जानकारों का कहना है कि गोटाबाया राजपक्षे के चीन समर्थक होने के बावजूद चीन की सरकार से श्रीलंका को पर्याप्त मदद नहीं मिल पा रही है। चीन की तरफ से श्रीलंका पर कई तरह के दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। पिछले हफ्ते ही श्रीलंका सरकार ने चीन की कंपनी सीएचईसी को कोलंबो पोर्ट पर स्थित कंटेनर टर्मिनल का दूसरा फेज बनाने का ठेका दिया है। दूसरी तरफ श्रीलंका में बिजली व ईंधन संकट चरम पर पहुंच गया है। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि बासिल राजपक्षे ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात करके श्रीलंका के मौजूदा संकट के बारे में विस्तार से बताया है और तत्काल मदद की गुहार लगाई है। माना जा रहा है कि उन्होंने भारत से अनाज, दवाएं, ईंधन मिलने के साथ ही करेंसी स्वैप की सुविधा के तौर पर एक अरब डालर की मदद मांगी है। जल्द ही दोनों देशों की तरफ से इस संदर्भ में एक पैकेज की घोषणा किए जाने की संभावना है।

मोदी,मनमोहन की सरकारों के काम करने के तौर-तरीके में जमीन-आसमान का फर्क : सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी)

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रिपीट ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार और डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों के बीच तुलना को मुश्किल काम बताते हुए शुक्रवार को कहा कि दोनों के काम करने के तौर तरीके में जमीन-आसमान का अंतर है। उन्होंने एयर इंडिया के निजीकरण को सबके हित में बताया। श्री सिंधिया एक निजी समाचार चैनल द्वारा राजनीति, शासन और संस्कृति क्षेत्र के लोगों के साथ खुली चर्चा के एक विशेष आयोजन के एक सत्र में आमंत्रित थे। उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा के दौरान मोदी और मनमोहन सरकार के बीच तुलना के सवाल पर कहा कि दोनों के बीच तुलना करना मुश्किल है। दोनों के काम के तौर-तरीके में जमीन-आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार रिजल्ट ओरियेन्टेड (काम का ठोस नतीजा चाहने वाली) सरकार है। इस सरकार में निर्णय तेजी से होते हैं। मेरा चार माह का अनुभव है कि यह सरकार प्रोडक्टिविटी (उत्पादकता) चाहती है। इसके लिए पूरा सिस्टम काम करता है। गौरतलब है कि श्री सिंधिया श्री सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में भी मंत्री थे।

उन्होंने कहा कि वह राजनीति में आने से पहले बैंक अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने परिणाम और उत्पादकता उन्मुख वर्तमान सरकार में काम करने के अवसर को अपना सौभाग्य बताया। सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया को 18,000 करोड़ रुपये में टाटा समूह को सौंपने के निर्णय को उन्होंने सबके लिए लाभदायक निर्णय बताया और कहा कि नागर विमानन क्षेत्र में इस एयरलाइन की अब एक नयी भूमिका तय होगी।

दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए हर संभव कार्य कर रही है : गोपाल राय

पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्री की संयुक्त बैठक बुलाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने आज पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की संयुक्त बैठक बुलाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक माह से निवेदन कर रहा हूं कि पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाकर एक ज्वाइंट एक्शन प्लान जाया जाए। केजरीवाल सरकार अपने स्तर पर प्रदूषण कम करने के लिए हर संभव कार्य कर रही है।

जब तक आसपास के राज्यों के प्रदूषण को कम करने के लिए संयुक्त एक्शन प्लान नहीं बनेगा। तब तक ज्यादा प्रभावी असर होना मुश्किल है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव को आज पत्र लिखा है। इसमें एनसीआर क्षेत्र के

सभी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाने का निवेदन किया गया है। इस संबंध में गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर बहुत सारे आपातकालीन कदम उठाए गए हैं। दिल्ली में इस समय निर्माण-डिमोलिशन के कार्य बंद है। इसके अलावा रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान चल रहा है। दिल्ली के बाहर से जो ट्रक आते हैं उन पर रोक है। सिर्फ अत्यावश्यक वस्तुओं से जुड़े ट्रक ही दिल्ली के अंदर आ रहे हैं। पीयूसी सर्टिफिकेट की जांच का अभियान चारों तरफ चल रहा है।

पानी का छिड़काव किया जा रहा है और एंटी ओपन बर्निंग अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईटीएम के डाटा के आधार पर सीएसई ने रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के प्रदूषण स्तर में

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक माह से निवेदन कर रहा हूं कि पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्री की बैठक बुलाकर एक ज्वाइंट एक्शन प्लान बनाया जाए : गोपाल राय

जब तक आसपास के राज्यों के प्रदूषण को कम करने के लिए संयुक्त एक्शन प्लान नहीं बनेगा, तब तक ज्यादा प्रभावी असर होना मुश्किल है : गोपाल राय

31 फ़ीसदी दिल्ली के अंदर के स्रोतों का प्रदूषण है। इसके अलावा 69 फीसदी प्रदूषण एनसीआर के राज्यों के स्रोत की भागीदारी है। इसलिए सभी प्रयासों के बावजूद दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बनी हुई है। जिसको देखते हुए आज तीसरी बार केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को चिट्ठी लिखी है। उनसे एक माह से निवेदन कर रहा हूं कि पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक होनी चाहिए। पर्यावरण मंत्रियों के साथ बैठकर एक ज्वाइंट एक्शन प्लान जाया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

लेकिन बाहर के स्त्रोत से 69 फ़ीसदी प्रदूषण में जब तक कमी नहीं आएगी, तब तक दिल्ली में प्रदूषण कम नहीं होगा। इसलिए जो आज स्थिति है और सरकारें जो प्रयास कर रही हैं, उसका भी विश्लेषण किया जाए। विशेषज्ञों के साथ बातचीत करके क्या कदम उठाए जा सकते हैं, उसके ऊपर संयुक्त एक्शन प्लान बने। जिससे कि प्रदूषण की स्थिति को जल्दी नियंत्रित किया जा सके।

श्री गोपाल राय ने कहा कि हम लगातार एक ही निवेदन कर रहे हैं कि बैठक बुलाई जाए। मुझे लगता है कि व्यस्तता की वजह से नहीं बुलाई जा रही है। लेकिन जो स्थिति दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र में बनी हुई है, उसे देखते हुए बैठक बुलाने की जरूरत है। दिल्ली सरकार अपने स्तर पर कार्य कर रही है। लेकिन जब तक संयुक्त एक्शन प्लान नहीं बनेगा, तब तक ज्यादा प्रभावी असर होना मुश्किल है।

इसलिए बार-बार निवेदन कर रहे हैं कि बैठक बुलाई जाए। उसमें विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। उनके विचार जानकर आगे की कार्रवाई की जा सके।

शहीद किसानों के परिजनों को मुआवजा दे सरकार : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि किसान आंदोलन के दौरान सात सौ किसान शहीद हुए हैं और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानून वापस लेते समय कानून लागू करने के लिए माफी मांगी थी इसलिए उन्हें शहीद किसानों के परिजनों को मुआवजा देना चाहिए। श्री गांधी ने शुक्रवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी के माफी मांगने से यह साफ हो गया है कि वह स्वीकार कर चुके हैं कि कृषि कानूनों को लागू करने की उनसे गलती हुई और उस गलती के कारण किसान शहीद हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस स्वीकारोक्ति के बाद उन्हें किसानों को आर्थिक मदद देनी चाहिए और अगर मारे गये किसानों की सूची चाहिए तो उन्हें उपलब्ध करा दी जाएगी। श्री गांधी ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि हाल के दिनों में सरकार ने संसद में आंदोलन के दौरान मारे गये किसानों को वित्तीय सहायता देने संबंधी सवाल पर कहा कि उसके पास शहीद किसानों का कोई रिकार्ड नहीं है इसलिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता।

पीएम गति शक्ति सम्मेलन में योगी आदित्यनाथ- 2017 से पहले केन्द्र सरकार की योजना का लाभ नहीं ले सका यूपी

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इस कार्यक्रम में उत्तर क्षेत्र के राज्य और 19 केन्द्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिध भाग ले रहे हैं।

इस बड़े सम्मेलन में केन्द्रीय रेलवे, दूर संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी आनलाइन शामिल थे।

लखनऊ (एजेंसी)
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीएम गति शक्ति सम्मेलन का उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश सरकार और दूरसंचार विभाग के इस गति शक्ति सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इस कार्यक्रम में उत्तर क्षेत्र के राज्य और 19 केन्द्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिध भाग ले रहे हैं। इस बड़े सम्मेलन में केन्द्रीय रेलवे, दूर संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी आनलाइन शामिल थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह का शुभारंभ करने के बाद कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने राज्यों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की योजना प्रारंभ की थी।

उत्तर प्रदेश की सरकार 2017 से पहले इसका लाभ लेने में नाकाम रहीं, लेकिन हमने अपनी सरकार का एक वर्ष पूरा होने के अंदर ही लखनऊ में पहला इन्वेस्टर समिट किया था। इसमें हमको लगभग पांच लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उसमें से तीन लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आज उत्तर प्रदेश में धरातल पर उतरते हुए दिखाई दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। पौने पांच वर्षो के दौरान प्रदेश में एक भी दंगा का नहीं हुआ। इस तरह प्रदेश में निवेश की बाधा को दूर करने का कार्य हुआ है। वर्ष 2017 के बाद हमारी सरकार ने प्रदेश में न केवल कानून व्यवस्था को बेहतर बनाया है, बल्कि अलग-अलग सेक्टर में निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अपनी सेक्टोरियल पॉलिसी भी लागू की है, जिसके बेहतर परिणाम आए हैं। राज्यस्तर पर गति शक्ति पोर्टल लॉन्च करने के लिए हमारी सरकार विभिन्न एजेंसियों को डाटा एकत्र करने के लिए प्रेरित कर रही है। प्रदेश में प्रथम चरण में 16 विभाग और एजेंसियों की परियोजनाओं का एकीकरण भी किया जा रहा है। द्वितीय चरण में के 11 विभाग और एजेंसियां पोर्टल से जुड़ जाएंगे।। मुख्यमंत्री ने कहा कि भास्कराचार्य नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन (जियो इंफार्मेटिक्स) व रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर से समन्वय कर एपीआइ लिंक पर डाटाबेस को गति शक्ति पोर्टल पर लिंक कर रहे हैं।

हम सभी जानते हैं कि अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़े हुए प्रोजेक्ट को नई गति देने के लिए पीएम गति शक्ति को लॉन्च किया था।

आज पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के इस अभियान को देश के अलग-अलग जोन में गति देने के लिए इस प्रकार के कॉन्फ्रेंस से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को नयी ऊर्जा व गति देने के लिए इस मास्टरप्लान को लांच किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि देश एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश भी उन्नति कर रहा है।प्रदेश में तेज़ी से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। हाल ही में जनता को समर्पित एक्सप्रेसवे इसी का बड़ा उदाहरण है 2017 से प्रदेश में 9 एयरपोर्ट्स पर कार्य हो रहा है, साथ ही प्रदेश को एक लोगिस्टिक हब बनाने की ओर कार्य हो रहा है।

पीएम गति शक्ति योजना के तहत सरकारों और मंत्रालयों में समन्वय स्थापित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर कार्यक्र के कार्यान्वयन के लिए आयोजित जोनल कॉन्फ्रेंस (नॉर्थ) के आज के इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री औद्योगिक संस्थानों से जुड़े हुए सभी महानुभावों व विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उपस्थित प्रतिभागीगण का मैं प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्वागत करता हूं।

एक नज़र

लखनऊ में वर्दीधारी दारोगा से मारपीट के मामले में चार गिरफ्तार, वीडियो वायरल होने पर एक्शन में आई पुलिस

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के साथ ही राजधानी लखनऊ में लोग खाकी पर भी हाथ उठाने में संकोच नहीं कर रहे हैं। लखनऊ में गुरुवार रात हल्की वाहन दुर्घटना में पीलीभीत से आए दारोगा पर दंबगों ने हमला बोल दिया। उनके साथ मारपीट भी की। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद सभी आरोपित माफी मांग रहे हैं।

लखनऊ में गुरुवार रात को हसनगंज थाना क्षेत्र के निरालानगर पुलिस चौकी के पास पीलीभीत से आए दारोगा विनोद कुमार के साथ अभद्रता तथा मारपीट की गई। तहजीब के लिए मशहूर शहर लखनऊ में वर्दी पहले दारोगा के साथ बेखौफ दबंगों की सरेआम गुंडई की। निरालानगर पुलिस चौकी से करीब 300 मीटर दूर द रीजेंट्स होटल के बाहर कार की हल्की टक्कर के बाद दबंगों ने वर्दीधारी सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार को घेरकर उनके साथ मारपीट की। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। दारोगा विनोद कुमार किसी आयोग के कागज लाने के सिलसिले लखनऊ में आये थे। निरालानगर में बाइक सवार को बचाने के चक्कर में दरोगा विनोद कुमार कार द रेजिडेंस होटल के बाहर एक कार से टकरा गई।

इसके बाद दंबगों ने दारोगा पर नशे में घुत होकर गाड़ी चलाने के आरोप में पीटा। इस मारपीट तथा अभद्रता के बाद विनोद कुमार ने हसनगंज थाने में तहरीर दी। विनोद कुमार की तहरीर पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज तथा वायरल वीडियो के आधार पर इंदिरा नगर निवासी आशीष कुमार, उसके साला प्रांजल और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ वीडियोः दारोगा की पिटाई और हंगामे का मौके पर खड़े कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया था।

घटना के कुछ देर बाद वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। मामले की जानकारी आलाधिकारियों को हुई। इंस्पेक्टर ने बताया कि हंगामा और मारपीट कर रहे कुछ अन्य लोगों को भी वीडियो के आधार पर चिन्हित किया जा रहा है जल्द ही उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

लखनऊ में शादी समारोह से सात वर्षीय बच्ची का अपहरण कर दरिंदगी, मुंह पर टेप चिपकाकर खेत में फेंका

लखनऊ (एजेंसी) बंथरा इलाके के एक गांव में शादी समारोह से सात साल की बच्ची का अपरहण कर युवक ने उसके साथ दरिंदगी की। विरोध पर जमकर पीटा और मुंह पर टेप चिपका कर खेत में फेंक दिया। बच्ची शुक्रवार सुबह बदहवास हालत में खेत में पड़ी मिली।

बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस आरोपित की तलाश में दबिश दे रही है। बंथरा के एक गांव में रहने वाली सात वर्षीय बच्ची के परिवार में गुरुवार को शादी थी। बारात में पड़ोस के गांव का 22 वर्षीय शिवम भी पहुंचा। देर रात घर वाले शादी समारोह में था खाना और डांस चल रहा था। इस बीच मौका पाते ही शिवम, बच्ची को अपने साथ लेकर चला गया। उसने गांव के बाहर खेत में बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

विरोध पर उसे पीटा। बच्ची ने जब शोर मचाने की कोशिश की तो उसके मुंह पर टेप चिपका दिया। वारदात के बाद आरोपित बच्ची को खेत में फेंककर धमकाते हुए भाग निकला। उधर, कई घंटे तक जब बच्ची घर समारोह स्थल और घर के आस पास नहीं दिखी तो परिवारीजन ने खोजबीन शुरू की। इस बीच शुक्रवार सुबह बच्ची खेत में बदहवास हालत में पड़ी मिली। घरवालों ने यह देख बच्ची को उठाया और पुलिस को सूचना दी।

बच्ची की हालत नाजुक देख उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर बंथरा अजय प्रताप सिंह, एडीसीपी सेंट्रल राघवेंद्र मिश्रा और डीसीपी डा. ख्याति गर्ग पहुंची। मौके की पड़ताल की। इसके बाद समारोह में विडियो रिकार्डिंग कर रहे फोटो ग्राफर के कैमरे से मिली फुटेज बरामद की। फुटेज में शिवम बच्ची को ले जाते दिखा। एडीसीपी ने बताया कि आरोपित की तलाश में चार टीमें गठित की गई हैं। टीमें दबिश दे रही हैं जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बरेली में फर्जी डिग्री से युवक चला रहा अस्पताल, मेडिकल काउंसिल में नहीं है युवक का पंजीयन

बरेली (एजेंसी) सुभाष नगर के बदायूं रोड पर फर्जी डिग्री के सहारे अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर चलाया जा रहा था। हैरानी की बात यह सामने आयी कि जांच में अस्पताल, ट्रामा सेंटर व खुद को डॉक्टर बताने वाले आरोपितो का मेडिकल काउंसिल में पंजीयन भी नहीं मिला। फर्जीवाड़े का राजफाश होने पर मामले में सुभाष नगर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी व अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दरअसल, इज्जतनगर के कर्मचारी नगर स्थित गली नंबर तीन निवासी सूर्य कुमार अग्निहोत्री ने मामले की शिकायत 26 जून 2021 को आईजी से की थी। आईजी ने मामले की जांच सीओ द्वितीय आशीष प्रताप सिंह को सौंप दी थी। सूर्य कुमार अग्निहोत्री का आरोप था की बदायूं रोड स्थित शिव स्वयंवर बरात घर के पास डॉक्टर शैलेंद्र पांडेय, डॉक्टर आशीष शर्मा और उसके पिता सुरेशचंद्र मिलकर फर्जी डिग्री के सहारे अस्पताल व ट्रामा सेंटर चला रहे हैं। इससे वहां भर्ती होने वाले मरीजों को जान का खतरा बना हुआ है। जांच मिलने के बाद सीओ द्वितीय आशीष प्रताप सिंह ने सितंबर को मामले की रिपोर्ट सीएमओ को भेज दी।

सीएमओ ने आरोपित डॉक्टर द्वारा दिए गए प्रमाणपत्रों को जांच के लिए लखनऊ भेजा। जांच में पता चला कि मेडिकल काउंसिल में आरोपितो का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। इसके बाद जांच रिपोर्ट सीएमओ ने सीओ दफ्तर को वापस भेज दी। कार्रवाई नहीं हुई। 23 नवंबर को सूर्य कुमार अग्निहोत्री ने एसएसपी से दोबारा शिकायत की। एसएसपी के आदेश के बाद सुभाषनगर पुलिस ने शैलेंद्र पांडेय, आशीष शर्मा और सुरेश शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सुभाषनगर थाने के इंस्पेक्टर नरेश कुमार कश्यप ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर देहात में मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार छात्र घायल, पुलिया टूटने से आए दिन होते हादसे

कानपुर (एजेंसी) सिकंदरा कस्बे से कोचिंग पढ़ कर घर वापस लौट रहे बाइक सवार दो छात्र ड्क्षनहौरा गांव के पास बंबे की टूटी पुलिया पार करते समय अनियंत्रित होकर गिरकर घायल हो गए। ग्रामीणों ने उनको उपचार के लिए निजी चिकित्सक के पास भर्ती कराया। वहीं दोनों नाबालिग होने के बाद भी बाइक चला रहे थे।

रतापुर गांव निवासी कक्षा नौ का छात्र 15 वर्षीय करन सिंह 15 शुक्रवार को अपनी बाइक से निन्हौरा गांव निवासी सहपाठी आर्यन के साथ सिकंदरा कस्बे से दोनों कोचिंग पढ़ कर घर वापस लौट रहे थे। बाइक करन चला रहा था और वह लोग जैसे ही निन्हौरा गांव के पास बंबे पर पहुंचे वहां टूटी पुलिया से नीचे गिर पड़े। आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़ पड़े और उन्हें बंबे से निकालकर सड़क किनारे लिटाया गया। ग्रामीणों अजय कुमार उर्फ गोपाल मिश्रा, राम सागर कटियार, मोतीलाल, सुरेश कुमार, राम अवतार, अनिल कठेरिया, दिलीप कटियार व रवि कटियार ने बताया कि लंबे समय से बंबे की पुलिया टूटी पड़ी है यहां अक्सर दो पहिया वाहन सवार गिरकर चुटहिल होते हैं।

कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है इसके बावजूद भी जिम्मेदार इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहे। नहर विभाग के जेई महिपाल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, दो-चार दिन के अंदर टूटी पुलिया की मरम्मत करा दी जाएगी।

हम सब दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ देश हित में लगाने के लिए प्रयासरत : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं सहायक उपकरण कार्यक्रम में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन बच्चों की प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ देश हित में लगाने के लिए हम सब प्रयासरत हैं। कोरोना संक्रमण काल के दौरान हमारे पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों ने टोक्यो में जाकर बेहतर प्रदर्शन किया।

लखनऊ (एजेंसी)
अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की दिव्यांग प्रतिभाओं को सम्मानित किया। लखनऊ में डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय के अटल आडिटोरियम में मुख्यमंत्री ने राज्य पुरस्कार में 16 भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से 16 सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजनों को सम्मानित किया।

लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं सहायक उपकरण कार्यक्रम में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन बच्चों की प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ देश हित में लगाने के लिए हम सब प्रयासरत हैं। कोरोना संक्रमण काल के दौरान हमारे पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों ने टोक्यो में जाकर बेहतर प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने उन सभी खिलाड़ियों को मेरठ में सम्मानित करने का भव्य आयोजन किया। पैरा ओलंपिक में यह प्रदर्शन प्रमाण है कि अगर इनकी प्रतिभा को थोड़ा प्रोत्साहन दिया जाए तो यह आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ऋषि अष्टवक्र भी तो दिव्यांग थे, पर उनकी प्रतिभा से कौन नहीं परिचित है।

सूरदास ने अपनी रचनाओं से कृष्ण लीलाओं का अद्भुत वर्णन किया। स्टीफन हाकिंस को कौन नहीं जानता। थोड़ा भी उचित माहौल दिया जाए तो दिव्यांगजन असाधारण प्रदर्शन कर सकते हैं। विज्ञान और तकनीक के साथ दिव्यांगजन को जोडना होगा। प्रदेश के अंदर हमने दिव्यांग पेंशन और कुष्ठ रोग पेंशन को बढ़ाया। दिव्यांगजन के विवाह में भी आर्थिक सहायता प्रोत्साहन स्वरूप उपलब्ध कराई जाती है। इसी तरह तमाम अन्य कामों के लिए दिव्यांगजन को सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम सभी दिव्यांगजन को मोटरराइज ट्राई साइकिल देने की दिशा में प्रयास कर रहे। हमने दिव्यांगता की श्रेणी को सात से 21 तक पहुंचाने का काम भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने भी हमारे दिव्यांगजन हैं और जो संस्थाएं इस क्षेत्र में काम कर रहीं, उनसे अपील है कि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का काम करें। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन स शक्तिकरण मंत्री अनिल राजभर, दिव्यांगजन विभाग के अपर मुख्य सचिव हेमंत राय, डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के कुलपति राणा कृष्ण पाल सिंह भी थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांग क्रिकेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रर्दशन करने वाले लव वर्मा को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। सोनभद्र के अनपरा निवासी लव वर्मा को विश्व दिव्यांग दिवस पर राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। लव वर्मा को उत्तर प्रदेश के पुरूष वर्ग से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी सिद्धार्थनगर की रति मिश्रा को चुना गया।

वाणिज्य कर विभाग एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के उत्पीड़न से त्रस्त व्यापारी करेंगे आंदोलन
किया ऐलान, जल्द मिलेंगे मुख्यमंत्री से

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। वाणिज्य कर एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के भ्रष्टाचार व उत्पीड़न से त्रस्त गाजियाबाद के व्यापारियों ने भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में वाणिज्य कर एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के नकारात्मक रवैया और जांच के नाम पर लूट खसोट करने करने का विरोध किया गया और विशेष तौर पर इन दोनों विभागों से लड़ाई लड़ने के लिए व्यापारी सुरक्षा दल का गठन किया गया। व्यापारियों ने बताया कि यह दल खाद्य सुरक्षा व्यापारियों के उत्पीड़न का मुंहतोड़ जवाब देगा। यदि यह लोग बाज नहीं आए तो इनकी शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रवि कांत गर्ग व उपाध्यक्ष अशोक गोयल से भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो व्यापारी इस विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सड़क पर विरोध करेंगे।

व्यापारियों ने कहा कि किसी भी सूरत में वे लोग उत्पीड़न नहीं सहेंगे और जल्दी ही व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल लखनऊ जाकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से अपना दुखड़ा सुनाएगा। इस बैठक में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल मेरठ के प्रभारी नानक चंद शीरे वाले, व्यापारी नेता व जिला चेयरमैन देवेंद्र हितकारी, रजनीश बंसल, जिलाध्यक्ष उदित मोहन गर्ग, सुनील प्रताप सिंह, अतुल मित्तल, अमन अग्रवाल,ि कास बंसल, सरदार बलदेव सिंह, निरंजन शर्मा व विपिन सिंघल प्रमुख रूप से थे।

बसपा मुखिया मायावती का भाजपा, सपा व कांग्रेस पर हमला, बोलीं- सत्ता में आने के बाद भूल जाते हैं जनता से किए वादे

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में 2022 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती समय-समय पर विपक्षी दलों पर हमला बोलती रहती हैं। बसपा के हर मोर्चा के साथ लगातार बैठक में व्यस्त मायावती ने विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों के वादों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को दो ट्वीट में भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस पर निशाना साधा है।

मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खासकर भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस आदि इन दिनों प्रदेश की जनता को लुभाने व गुमराह करने के लिए आए दिन प्रलोभन भरे जो चुनावी वादों की झड़ी लगा रहे हैं। मायावती ने कहा कि यह लोग वादा करने के बाद सत्ता में आने के पर अधिकांश को भुला देते हैं। अभी तक का इनका यही इतिहास रहा है।

जनता इनसे सतर्क रहे। अर्थात भाजपा व सपा जनता को जो वादे कर रही हैं वह काम उन्होंने यहां अपनी सरकार के रहते हुए क्यों नहीं किए। मायावती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भी महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट व स्कूटी आदि देने के जो वादे कर रही है वह काम इन्होंने उन राज्यों में क्यों नही किए जहाँ इनकी सरकारें हैं। यह भी सोचने की बात है। कांग्रेस को अपने शासित राज्यों में ध्यान देने की जरूरत है।

टीबी से ग्रसित बच्चों को बांटा पोषण

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। मोदीनगर स्थित प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर आरएचएएम व रोटरी हेल्थ अवेयनेस मिशन के सहयोग से रोटरी क्लब आफ गाजियाबाद हेरीटेज ने शुक्रवार को राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पोषण वितरण किया।

इसमें सभी क्लबों ने सहयोग किया। पीडीजी रो जेके गौड के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में टीबी रोग से ग्रसित करीब 11 बच्चों को पोषण वितरण हुआ। आरएचएएम व रोटरी ने पोषण आहार में दाल, चना, दलिया, हॉर्लिक्स, बिस्कुट, सेब केले व संतरा आदि खाद्य सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम के शुरूआत डिस्ट्रिक्ट पीपीएम एवं कोआर्डिनेटर रो. दिपाली गुप्ता, डीओटी इनचार्ज डा राकेश कुमार तथा आरएचएएम फाउंडेशन एवं डिस्ट्रिक्ट रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के फाउंडर रो. डा धीरज भार्गव ने संयुक्त रूप से की। रो. दिपाली गुप्ता ने कहा कि टीबी के खात्में के लिए रोटरी व आरएचएएम की ओर से टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लिया गया है। टीम स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर टीबी के बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है। बच्चों को संतुलित आहार बांटने के लिए अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर ईलाज कराने पर इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। इसके लिए रोटरी व आरएचएएम फाउंडेशन की जितनी तारीफ की जाए वह कम होगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। एमएमजी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल से सीएमओ व डीटीओ ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और बीमारी के कारण व उपचार के बारे में बच्चों को जानकारी दी। पोषण वितरण कार्यक्रम में रो.डा धीरज भार्गव ने कहा कि टीबी अब गंभीर बीमारी नहीं है अगर इसका समय पर ईलाज कराया जाए। उन्होंने टीबी के लक्षणों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही स्वच्छता के लिए भी बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नियमित साफ-सफाई करने से भी कई बीमारियों से बचा जा सकता है। किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए मरीजों में सकारात्मकता और जागरूकता होना बहुत जरूरी है। रोटरी क्लब गाजियाबाद हेरिटेज के प्रेसिडेन्ट रो. विशाल खंडेलवाल ने कहा कि टीबी से ग्रसित बच्चों की रोटरी की तरफ से हर संभव मदद की जाएगी। टीबी रोग एक भयानक बिमारी है जो जानलेवा साबित होती है इसलिये हमें लक्षण पता चलने पर तुरन्त ही सतर्क हो जाना चाहिए। रोटरी व आरएचएम समय समय पर अभियान चलाकर टीबी के गोद लिए बच्चों पोषण बांटते हैं।

भाजपा के लिए तीन चुनावों से शुभ साबित हो रहा गोरखपुर का यह ग्राउंड, इस बार भी यहीं से बजेगी रणभेरी

गुरु गोरक्षनाथ की धरती पर सात दिसंबर को होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली यूं तो पूरे प्रदेश में अपना असर छोड़ेगी, लेकिन गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल की 62 विधानसभा सीटों पर इसका प्रभाव कुछ ज्यादा ही होगा। पूर्ववर्ती चुनाव में इसका नजारा पार्टी ही नहीं विपक्ष भी देख चुका है।

गोरखपुर (एजेंसी)
56 इंच का सीना ठोंककर यूपी को गुजरात बनाने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर उसी धरती से विजयी हुंकार भरेंगे, जहां से उन्होंने देशभर के किसानों के लिए सम्मान निधि की शुरुआत की थी। यह साबित हो चुका है कि मोदी ने जब-जब मानबेला और फर्टिलाइजर मैदान से चुनावी बिगुल फूंका, पूर्वांचल में भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत मिली।

सात दिसंबर को पीएम मोदी न केवल फिर एक बार योगी सरकार का नारा बुलंद करेंगे बल्कि जनता-जनार्दन को उस पूरे हुए वायदे की याद भी दिलाएंगे, जिसकी आधारशिला उन्होंने इसी मैदान पर रखी थी।

गुरु गोरक्षनाथ की धरती पर सात दिसंबर को होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली यूं तो पूरे प्रदेश में अपना असर छोड़ेगी, लेकिन गोरखपुर, बस्ती और

आजमगढ़ मंडल की 62 विधानसभा सीटों पर इसका प्रभाव कुछ ज्यादा ही होगा। पूर्ववर्ती चुनाव में इसका नजारा पार्टी ही नहीं विपक्ष भी देख चुका है। 2014 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी ने जब मानबेला के मैदान में अपना 56 इंच का सीना ठोंककर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने का वादा किया तो इन तीन मंडलों की 13 में से 12 सीटें भाजपा की झोली में आ गईं। पहली जीत ने मोदी में उत्साह का इस कदर संचार किया कि तीन साल बाद 2017 में हुए यूपी के विधानसभा चुनाव का शंखनाद मोदी ने यहीं स्थित फर्टिलाइजर मैदान में आकर किया।

नतीजे इस बार भी चौंकाने वाले आए और 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वांचल की 62 में 44 सीटों पर जीत दर्ज कर ली। भाजपा के सहयोगियों को भी दो सीटों पर जीत मिली।

जीत का जो सिलसिला यहां से शुरू हुआ वह 2019 के लोकसभा चुनाव में भी जारी रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव से ठीक फर्टिलाइजर के इसी ऐतिहासिक मैदान पर बने मंच से पूरे देश के किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की पहली किस्त जारी की। किसानों से उनका सहज संवाद यहीं से पूरे देश ने देखा-सुना था। इस बार मोदी ने जनता से कुछ मांगा नहीं बल्कि बताया कि पिछले पांच सालों में देश और प्रदेश को उन्होंने क्या से क्या बना दिया।

फर्टिलाइजर मैदान पर हुई इस रैली के बाद जनता ने एक बार फिर गोरखपुर-बस्ती और आजमगढ़ मंडल में जबरदस्त समर्थन दिया, जिसका नतीजा रहा कि यहां की 13 में से 10 सीटें भाजपा के खाते में गईं। समर्थन की इसी उम्मीद के साथ पीएम मोदी चौथी बार भी चुनावी शंखनाद करेंगे जैसा तीन बार पहले मिल चुका है।

एक नज़र

दिल्ली में एटीएम हैक कर निकाले 30 लाख, पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपित

नई दिल्ली (एजेंसी) ख्याला थाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपित को गिरफ्तार किया है, जो सिस्टम हैक कर एटीएम मशीन से पैसे निकाल लेता था और बैंक को इसकी भनक नहीं लगती थी। आरोपित ने एटीएम से करीब 30 लाख रुपये निकाल लिए। इसके बाद बैंक को निकासी का पता चला तब मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने छानबीन के दौरान आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित का नाम कृष्ण गोपाल है।

पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त उर्विजा गोयल ने बताया कि 12 नवंबर को ख्याला थाना पुलिस को ए-ब्लाक ख्याला स्थित केनरा बैंक के एटीएम से डिवाइस के जरिए करीब 30 लाख रुपये की चोरी होने की शिकायत मिली। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी गुरसेवक सिंह और उपनिरीक्षक नवीन के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने एटीएम मशीन के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में किया, जिसमें दो व्यक्ति को मशीन के साथ छेड़छाड़ करते और पैसा निकालते हुए देखा गया। पुलिस ने एटीएम निकासी लेनदेन का विवरण लिया।

जिसकी जांच में पता चला कि आरोपित ने निकासी के लिए ऐसे एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया जिसकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी। अवधि समाप्त होने के कारण उस उपभोक्ता की पहचान कर पाना मुश्किल था, जिसके नाम यह जारी हुआ था। छानबीन के दौरान उन एटीएम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए जहां से पैसे की निकासी हुई थी। फुटेज की मदद से पुलिस ने एक आरोपित के स्कूटी के नंबर का पता लगा लिया, लेकिन उस पते पर पहुंचने पर आरोपित नहीं मिला।

पता चला कि आरोपित ने तीन साल पहले उस पते पर स्कूटी खरीदी थी और अब वह यहां से जा चुका है। तकनीकी छानबीन के दौरान आरोपित की पत्नी का मोबाइल नंबर गैस एजेंसी में पंजीकृत पाया गया। आसपास की गैस एजेंसी का दौरा किया गया, लेकिन गैस एजेंसी डीलर द्वारा यह सुझाव दिया गया कि मोबाइल नंबर की सहायता से विशेष ग्राहक का विवरण केवल संबंधित गैस एजेंसी द्वारा प्रदान किया जा सकता है। उसके बाद टीम ने 10-15 गैस एजेंसियों के रिकार्ड की जांच की। जिसके जरिए पुलिस आरोपित के तारा नगर ककरौला के पते पर पहुंची और कृष्ण गोपाल को गिरफ्तार कर लिया।

सजा को निलंबित करने की अंसल बंधुओं की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी) उपहार अग्निकांड से जुड़े सुबूतों से छेड़छाड़ मामले में सजा को निलंबित करने की अंसल बंधु की याचिका खारिज हो गई है। पटियाला हाउस कोर्ट ने जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया है। निचली अदालत द्वारा सुशील अंसल व गोपाल अंसल सात साल की सजा और सवा करोड़-सवा करोड़ जुर्माना लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर 23 फरवरी को सुनवाई होगी।

बता दें कि पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने 1997 के उपहार अग्निकांड से जुड़े सबूतों के साथ छेड़छाड़ के मामले में रियल एस्टेट कारोबारी सुशील व गोपाल अंसल को सात-सात सजा के कारावास की सजा सुनाई थी। चीफ मेट्रोपानिटल मजिस्ट्रेट डा. पंकज शर्मा ने अंसल बंधुओं पर 2.25-2.25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इसके अलावा अदालत ने मामले में अदालत के कर्मचारी रहे दोषी दिनेश चंद शर्मा व दो अन्य दोषी पीपी बत्रा एवं अनूप सिंह को भी सात साल की सजा सुनाई गई थी और सभी पर तीन-तीन लाख रुपये जुर्माना भी लगाया था।

मामले में दो आरोपितों हर स्वरूप पंवार और धर्मवीर मल्होत्रा की सुनवाई के दौरान मौत हो गई थी। उपहार सिनेमाघर में बार्डर फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान आग लगने से 59 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सुशील और गोपाल अंसल को दोषी ठहराया गया था। सुबूतों से छेड़छाड़ का मामला 20 जुलाई 2002 को पहली बार तब सामने आया था जब दिनेश चंद शर्मा के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई। दिनेश को पहले निलंबित किया गया और फिर 25 जून 2004 को सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया था।

गणतंत्र दिवस पर उपद्रव करने के आरोपित को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी) कृषि कानूनों के विरोध में गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली के दौरान उपद्रव कर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, जानलेवा हमला करने और महामारी रोग अधिनियम का उल्लंघन करने के मामले में बृहस्पतिवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोपित सरबजीत सिंह को अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने आरोपित की अधिक उम्र और उनकी बीमारियों पर गौर करते हुए राहत प्रदान की है।

बीती 26 जनवरी को कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर रैली निकालते हुए अप्सरा बार्डर फ्लाईओवर के रास्ते दिल्ली में आए थे। करीब 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने रैली के दौरान जीटी रोड पर उपद्रव किया था। कश्मीरी गेट की ओर बढ़ने के लिए ट्रैक्टर से बैरिकेड तोड़ दिए थे। पथराव भी किया गया था। यह आरोप भी लगाया था कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड के पीछे खड़े पुलिस कर्मियों पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया था। इस मामले में आरोपित सरबजीत सिंह ने बीते अगस्त में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। जांच अधिकारी ने रिपोर्ट सौंप कर कोर्ट को बताया था कि वीडियो फुटेज में उपद्रव में एक कार थी, जो आरोपित के नाम थी।

वह ट्रैक्टर नहीं चला रहे थे। बचाव पक्ष ने इसे आधार बनाकर अग्रिम जमानत देने की मांग की। अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता का हवाला देते हुए अर्जी का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत के कोर्ट आरोपित को अग्रिम जमानत दे दी। साथ ही आरोपित को निर्देश दिया कि वह दिल्ली से बाहर नहीं जा सकते। वहीं, दिल्ली पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लाख दावे करती है, लेकिन बदमाश है कि अपने दुस्साहस से पुलिस के इंतजाम की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के पास एक बैखोफ बदमाश ने शादी में जा रही महिला के गले पर झपट्टा मारकर गहने उड़ा लिए। बदमाश महिला के गले से सोने का हार, चेन व मंगलसूत्र झपटकर फरार हो गया। महिला के पति ने बदमाश को पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन वह हाथ नहीं आया। पीड़िता रविता की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

प्रेम नगर में 18 महीने पहले बनी सड़क हुई जर्जर, नाले का पानी भरा होने से लोगों की आवाजाही मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी) किराड़ी के प्रेम नगर पार्ट-3 के चालीस फुटा रोड की हालत लंबे समय से खराब है। दुर्गा चौक से लेकर रेलवे फाटक तक की सड़क अधिक जर्जर हालत में है, जबकि इसका निर्माण महज 18 महीने पहले किया गया था। सड़क पर मौजूद बड़े-बड़े गड्ढे और उसमें भरा नाले के पानी ने इस सड़क के यातायात को ठप कर दिया है। इसके कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

आए दिन मोटर साइकिल और स्कूटर चालक गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। लंबे समय से लोग सड़क की दशा को सुधारने की मांग कर रहे हैं। लोगों के अनुसार पिछले पांच महीनों में सड़क अधिक खस्ताहाल हो गई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद इसे ठीक करने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। किराड़ी दुर्गा जनसेवा ट्रस्ट के संस्थापक रामदयाल माथुर ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर सड़क की तत्काल मरम्मत या निर्माण कार्य करने की मांग की गई है लेकिन अबतक किसी ने भी इसकी सुध नहीं ली है।

पूरे किराड़ी में सीवर लाइन डालने का कार्य चल रहा है। चालीस फुटा रोड और दुर्गा चौक रोड पर सीवर निर्माण कार्य जारी है। इसके पूरा होने के बाद ही सड़क की मरम्मत और निर्माण कार्य किया जाएगा। संजय कुमार, अधिशासी अभियंता, बाढ़ नियंत्रण विभाग। सड़क में गड्ढों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। लोगों का पैदल चलना तो दूर वाहनों से आवागमन भी मुश्किल हो गया है। इसे जल्द ठीक करना चाहिए।

लंदन-वाशिंगटन-पेरिस से भी आगे निकली दिल्ली

सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को बनाया दुनिया का नंबर वन शहर

जनता की सुरक्षा के लिए लगवाए सबसे अधिक सीसीटीवी, कैमरे लगने से सुरक्षित हुईं महिलाएं और पुलिस को भी अपराध का खुलासा करने में मिल रही मदद : अरविंद केजरीवाल

हमारी सरकार ने पिछले 7 साल में दिल्ली में 2.75 लाख कैमरे लगाए हैं, 1.40 लाख कैमरे और लगाने जा रहे हैं, जिसके बाद दिल्ली में कुल 4.15 लाख कैमरे हो जाएंगे : अरविंद केजरीवाल

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार के काम का कमाल है कि आज दिल्ली, लंदन-वाशिंगटन-पेरिस जैसे शहरों से भी आगे निकल गई है। दिल्ली सीसीटीवी लगाने के मामले में दुनिया का नंबर वन शहर बन गई है।

इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोगों की सुरक्षा में सबसे अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने वाला दुनिया का दिल्ली नंबर वन शहर बन गया है। हमारी सरकार ने पिछले 7 साल में दिल्ली में 2.75 लाख कैमरे लगाए हैं और 1.40 लाख कैमरे और लगाने जा रहे हैं। जिसके बाद कुल 4.15 लाख कैमरे हो जाएंगे। सीसीटीवी के मामले में दिल्ली के बाद दुनिया का लंदन दूसरा शहर है। दिल्ली में प्रति मील 1826 और लंदन में 1138 कैमरे लगे हैं, जो दिल्ली की तुलना में बहुत कम हैं। वहीं, भारत में दूसरे स्थान पर चेन्नई और तीसरे स्थान पर मुंबई है। दिल्ली में चेन्नई से तीन गुना और मुम्बई से 11 गुना अधिक कैमरे लगे हैं। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद से दिल्ली में महिलाएं सुरक्षित महसूस करने लगी हैं और पुलिस को भी अपराध का खुलासा करने में मदद मिल रही है। मुझे उम्मीद है कि इतने कैमरे लगने के बाद दिल्ली की सुरक्षा बढ़ेगी और लोग सुरक्षित महसूस करेंगे। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि हमारी सरकार बनने के बाद पिछले सात साल में पूरे दिल्ली में 2.75 लाख सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं। यह 2.75 लाख सीसीटीवी कैमरे सड़कों, सार्वजनिक स्थानों, आडब्ल्यूए, कॉलोनी, मोहल्ले, गलियों और स्कूलों समेत दिल्ली के कोने-कोने में लगाए गए हैं। आज की तारीख में सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में हमारी दिल्ली पूरी दुनिया में नंबर वन है। किसी शहर में

प्रति वर्ग किलोमीटर कितने सीसीटीवी कैमरे हैं, इसमें दिल्ली पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है। एक संस्था ने 150 शहरों का एक सर्वे कराया था, जिसमें दिल्ली नंबर वन स्थान पर है। प्रति वर्ग मील में दिल्ली में 1826 सीसीटीवी कैमरे हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर लंदन आता है। लंदन में प्रति वर्ग मील में 1138 कैमरे हैं। दिल्ली में लगे सीसीटीवी कैमरों की संख्या से लंदन बहुत दूर है। इस तरह, कैमरे लगाने के मामले में लंदन, न्यूयार्क, सिंगापुर, पेरिस समेत अन्य शहरों से दिल्ली बहुत आगे है। दिल्ली में हम इतने सीसीटीवी कैमरे लगा चुके हैं कि इन सभी शहरों से दिल्ली की कोई तुलना ही नहीं है। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत में सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में दिल्ली के बाद चेन्नई दूसरे स्थान पर आता है। चेन्नई से दिल्ली में तीन गुना ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। जबकि मुम्बई से दिल्ली में 11 गुना ज्यादा सीसीटीवी कैमरे हैं। हमने दिल्ली में जब से सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, उससे महिलाओं की सुरक्षा में इजाफा हुआ है और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस करने लगी हैं। इसके अलावा, सीसीटीवी कैमरे लगने से पुलिस को अब अपराध का खुलासा करने बहुत मदद मिलती है। क्योंकि जहां भी अपराधी जाता है, तो उसकी सीसीटीवी कैमरे में फुटेज आ जाती है। इस तरह अपराध को सुलझाने में पुलिस को बहुत मदद मिलती है। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि मैं अपने दिल्लीवासियों के लिए खुशखबरी लेकर आया हूं कि हम दिल्ली में 1.40 लाख सीसीटीवी कैमरे और लगाने जा रहे हैं। अभी दिल्ली में 2.75 लाख कैमरे लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त 1.40 लाख सीसीटीवी कैमरे और लगाने का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। इसके बाद दिल्ली में कुल 4.15 हजार कैमरे हो जाएंगे। हमारी दिल्ली सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में पहले ही दुनिया में नंबर वन स्थान पर है। अब 1.40 लाख कैमरे लगाने के बाद पूरी दिल्ली में बहुत ज्यादा कैमरे हो जाएंगे। आप लोग जातने हैं कि किस तरह से दिल्ली में कैमरे लगाने में अड़चनें आई थीं। सीसीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए एक बार मुझे, मनीष सिसोदिया और गोपाल राय को एलजी हाउस में धरना भी करना पड़ा था। केंद्र सरकार ने खूब अड़चनें लगाई। चारों तरफ से बहुत सी अड़चनें आई थीं, लेकिन हम भी डंटे रहे, हम भी लगे रहे। कहते हैं न कि आप सही नियत से काम करो, तो उपर वाला भी साथ देता है। अंततः दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगने लगे और अब हम लोग पूरी दुनिया में नबंर वन होते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत सरकार की कंपनी भारत इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड कंपनी दिल्ली में सभी कैमरे लगा रही है। भारत इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड कंपनी बहुत अच्छे कैमरे लगा रही है।

हम भारत इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड को भी धन्यवाद करना चाहते हैं। यह बहुत ही मॉडर्न कैमरे हैं। कई बार हम कैमरे लगा देते हैं। वे कैमरे खराब हो जाते हैं और पता भी नहीं चलता है। फिर जब कोई अपराध हो जाता है, तो पता चलता है कि सीसीटीवी कैमरा खराब पड़ा था। लेकिन इस कैमरे की खासियत यह है कि अगर कैमरा खराब होगा और काम नहीं करेगा, तो इस संबंध में कमांड सेंटर में एक अलार्म आ जाएगा। कुछ लोगों के मोबाइल नंबर भी फीड होंगे, जिस पर इस संबंध में एसएमएस आ जाएंगे। एसएमएस में आएगा कि कैमरे खराब हैं और काम नहीं कर रहे हैं।

शीतकाल में नगर आयुक्त ने बेसहारा लोगों और मूक पशुओं का भी रखा ख्याल

ओपन सर्च.संवाददाता

गाजियाबाद। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जहां बेसहारा लोगों के लिए आश्रय स्थलों पर सुविधाओं को

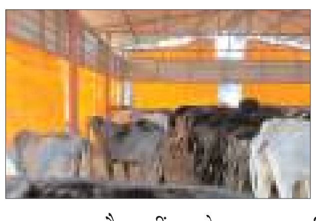

बढ़ाया गया है, वहीं उनके कुशल नेतृत्व में बढ़ती सर्दी को देखते हुए गोवंशों का भी विशेष ध्यान गाजियाबाद नगर निगम द्वारा रखा जा रहा है। उप मुख्य पशु चिकित्सक एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज कुमार सिंह ने बताया कि महापौर आशा शर्मा तथा नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर द्वारा गोवंश का विशेष ध्यान रखने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिसके क्रम में नंदी पार्क में रह रहे गोवंश की सुविधाओं को बढ़ाया गया है। उन्हें सर्दी से बचाने के लिए त्रिपाल की व्यवस्था उनके रहने के स्थान पर कराई गई है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक सर्दी में अलाव की व्यवस्था भी कराई गई है। प्रतिदिन उनकी सेवा में लगे हुए वहां के कर्मचारियों के लिए भी रहने की बेहतर व्यवस्था की गई है। शीत ऋतु में उनको कंबल वितरण भी किया गया है। गोवंश की खुराक में गुड़ का भी इस्तेमाल अत्यधिक किया जा रहा है ताकि उनको सर्दी से बचाया जा सके। डॉ अनुज द्वारा यह भी अपील की गई है कि यदि कहीं भी गोवंश आवारा घूमते हुए शहर में मिलते हैं तो उनकी सूचना गाजियाबाद नगर निगम को दी जाए, ताकि बेसहारा गोवंश को नंदी पार्क में लाकर उनको आश्रय दिया जाए। जिससे कि शहर वासियों को किसी भी प्रकार की सड़कों पर असुविधा ना हो। संबंधित अधिकारी द्वारा शहर वासियों से यह भी अपील की गई है कि सड़कों पर किसी प्रकार की रोटी या खाने का सामान ना डालें तथा अपने पालतू पशुओं यानी गोवंश को किसी भी हाल में आवारा सड़कों पर ना छोड़ें, जिससे दुर्घटना होने का डर शहर वासियों को बना रहता है और उनको असुविधा का सामना करना पड़ता है।

वजीराबाद में पुराने बैराज इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करेगा दिल्ली जल बोर्ड

नए बैराज में ऑटोमेटिक अलार्म सिस्टम होगा, जिससे जलस्तर बढ़ने पर अपने आप अलर्ट जारी किया जा सकेगा : सत्येंद्र जैन

नए बैराज गैर-बरसाती मौसम में अधिक पानी रोकने में सक्षम होंगे, जिससे शहर के भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की।

इस दौरान उन्होंने वजीराबाद में मौजूदा पुराने बैराज को आधुनिक तरीके से अपग्रेड करने का फैसला लिया। वजीराबाद बैराज 1959 में उत्तरी दिल्ली में यमुना नदी पर बनाया गया था। बैराज एक विशेष प्रकार का बांध होता है, जिसमें बड़े-बड़े द्वारों की श्रंखला होती है। बैराज द्वारा नदियों के प्रवाह तथा उनके जलस्तर को नियंत्रित

किया जाता है। यमुना में कुल 6 बैराज हैं, जिनमें से एक वजीराबाद बैराज है। दिल्ली सरकार वजीराबाद बैराज को अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके बनाने जा रही है। बैराज में ऑटोमेटिक अलार्म सिस्टम होगा, जिससे कि किसी भी तरह के बाढ़ के खतरे से पहले अलार्म के द्वारा अलर्ट जारी किया जा सकेगा। यह आस-पास के क्षेत्रों में बाढ़ को रोकने के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। जिससे बाढ़ के समय जान-माल की क्षति की संभावना न के बराबर रह जाएगी। इस नए बैराज के द्वारा गैर-मानसून सीज़न में अधिक से अधिक पानी का भंडारण किया जा सकेगा। जिससे शहर के भूजल स्तर को और बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैठक में मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि इन बैराजों को नए तरीके से अपग्रेड करने की जरूरत है, ताकि ये आज की जरूरतों के अनुसार काम कर सकें। हर साल मानसून के दौरान, यमुना नदी से लाखों क्यूसेक पानी बह कर चला जाता है। इसे नियंत्रित करने के लिए बैराज सिस्टम को नए सिरे से लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ बनाना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि नया बैराज भूजल स्तर को बेहतर बनाने और नदी के जल स्तर को स्थिर करने में मदद करेगा, ताकि दिल्ली जल बोर्ड के जल उपचार संयंत्रों में आसानी से पानी भेजा जा सके। उन्होंने कहा कि नए बैराज को अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके बनाया जाएगा, जो ऑटोमेटिक अलार्म सिस्टम से लैस होंगे। इससे हमें बाढ़ नियंत्रण में मदद मिलेगी। बरसात के मौसम में लाखों गैलन पानी यमुना से कुछ दिनो के भीतर ही बहकर निकाल जाता है। नए बैराज के बनने से बैराज की पानी रोकने की ताकत बढ़ जाएगी। नए बैराज गैर-बरसाती सीजन में अधिक पानी रोकने में सक्षम होंगे।

इससे पानी का रिसाव भूजल की तरफ बढ़ेगा, जिससे कि भूमिगत जल स्तर में बढ़ोतरी होगी। यानि के बहुत कम कीमत में एक सुदृढ़ ग्राउंड वॉटर रीचार्ज सिस्टम बनकर तैयार हो जाएगा। इससे गर्मी के मौसम में दिल्ली में आने वाली पानी की समस्या से निजात मिलेगी। इसके अलावा, हर साल हरियाणा द्वारा छोड़े गए पानी में अमोनिया की मात्रा अधिक होने के कारण दिल्ली में पेयजल की सप्लाई बाधित होती है। दिल्ली सरकार द्वारा बनाए जा रहे इस नए बैराज के पानी का उपयोग दूषित पदार्थों को साफ करने में किया जाएगा, ताकि दिल्ली में पीने के पानी की सप्लाइ सुचारु रुक से जारी रहे।

राजधानी की सुरक्षा में एक बार फिर हुई बड़ी चूक, इस बार निहंग प्रदर्शनकारियों ने लगाई सेंध

नई दिल्ली (एजेंसी)

सिंघु बार्डर पर कृषि कानून विरोधी प्रदर्शन में शामिल करीब 100 निहंगों का जत्था बृहस्पतिवार को अचानक राजधानी में घुसकर दिल्ली पुलिस में सनसनी फैला दी। राजधानी की सुरक्षा में यह बड़ी चूक माना जा रहा है। निहंग दिल्ली पुलिस से बिना पूर्व अनुमति लिए अचानक दिल्ली में घुस गए।

मुकरबा चौक से बंगला साहिब गुरुद्वारा आने तक पुलिस ने भले ही निहंगों को अपनी सुरक्षा घेरे में रखने का दावा कर रही है लेकिन उन्हें यहां तक आने देना राजधानी की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों की मानें तो दिल्ली पुलिस को निहंगों के बंगला साहिब गुरुद्वारा आने की कोई सूचना नहीं थी क्योंकि उन्होंने पुलिस से वहां आने की कोई लिखित अनुमति नहीं मांगी थी।

निहंगों का जत्था जब सिंघु बार्डर से अपने वाहनों में करीब दस किमी अंदर मुकरबा चौक तक पहुंच गए तब जाकर पुलिस को खबर लगी। उसके बाद आनन-फानन में पुलिस ने बैरीकेड लगाकर मुकरबा चौक पर उन्हें रोक लिया। वहां पुलिस अधिकारियों ने उन्हें गुरुद्वारा तक न जाने देने के लिए काफी समझाने की कोशिश की किंतु जब वे नहीं मानें तब सशर्त उन्हें मजबूरन गुरुद्वारा तक आने के लिए अनुमित प्रदान की गई। यह वही मुकरबा चौक है जहां 26 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने जमकर उत्पात मचाया था। निहंगों के जिद पर अड़ने पर उन्हें दो बसों व एक अन्य वाहन से बंगला साहिब गुरुद्वारा तक आने दिया गया। इस दौरान उनके वाहनों के साथ माडल टाउन थाने के थानाध्यक्ष व यातायात पुलिस के इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद कुछ पुलिसकर्मियों के साथ दोपहर बाद करीब 4.30 बजे गुरुद्वारा पहुंचे।

निहंग नई दिल्ली जिला में घुसकर पिछली घटना की तरह कहीं अचानक कानून अपने हाथ में लेकर कोई हिंसक उपद्रव न करने लगे इसके लिए गुरुद्वारा के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई थी। गुरुद्वारे में अरदास करने के बाद निहंगों का जत्था शाम करीब 6 बजे अपने वाहनों में सवार होकर वापस सिंघु बार्डर चले गए। उसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। इस मामले को लेकर डीसीपी बृजेंद्र यादव का कहना है कि सिंघु बार्डर अभी बंद नहीं है।

जब उन्हें पता चला कि निहंग अरदास करने बंगला साहिब गुरुद्वारा जाना चाह रहे हैं तब उन्हें सुरक्षा घेरे में लेकर वहां ले जाया गया और वापस सिंघु बार्डर छोड़ दिया गया।

पैरोल पर बाहर आकर किया था हत्या का प्रयास, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने नंदनगरी थानाक्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसी थानाक्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में जेल से पैरोल पर बाहर आने के बाद उसने एक अन्य व्यक्ति पर गोली चला दी थी। घटना के बाद से वह फरार था।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश देव के मुताबिक गिरफ्तार बदमाश विशाल नंद नगरी का रहने वाला है। 30 नवंबर को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि नंदनगरी में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित बदमाश विशाल अपने केस के सिलसिले में कड़कड़डूमा कोर्ट आएगा। एसीपी संतोष कुमार और इंस्पेक्टर जय प्रकाश के नेतृत्व में एसआई सम्राट खटियान, उदयवीर, हवलदार सुधीर और सिपाही ओमप्रकाश की टीम ने उसे कोर्ट परिसर से गिरफ्तार कर लिया। उसके पिता आटो चालक हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न

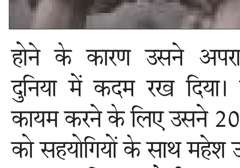

होने के कारण उसने अपराध की दुनिया में कदम रख दिया। वर्चस्व कायम करने के लिए उसने 20 जुलाई को सहयोगियों के साथ महेश उर्फ रवि नामक व्यक्ति पर गोली चला दी थी। इससे पहले वर्ष 2020 में फायरिंग के मामले में वह 25 जून को पैरोल पर जेल से बाहर आया था।

पीपीई मॉडल पर एक साथ काम कर के

सरकारी और निजी हेल्थकेयर सेक्टर चमत्कार कर सकते हैं : श्रीमती उपासना अरोड़ा

यदि हम स्वास्थ्य सेवा में तकनीकी व इलेक्ट्रॉनिक विकास के बारे में बात करना चाहते हैं तो हमें ग्रामीण स्तर या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर से शुरू होने वाले आम लोगों की बहुत ही बुनियादी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करना शुरू करना होगा।

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली, गाजियाबाद। स्वास्थ्य 4.0 को डिकोड करने और स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल परिवर्तन के मार्ग में चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से होटल हयात, नई दिल्ली में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती उपासना अरोड़ा, निदेशक, यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कौशाम्बी, गाजियाबाद ने इस तीसरे हेल्थटेक इनोवेशन कॉन्क्लेव में अन्य स्वास्थ्य सेवा दिग्गजों के बीच प्रख्यात पैनलिस्ट के रूप में बात की।

श्रीमती उपासना अरोड़ा ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के वरिष्ठ प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम स्वास्थ्य सेवा में तकनीकी व इलेक्ट्रॉनिक विकास के बारे में बात करना चाहते हैं तो हमें ग्रामीण स्तर या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर से शुरू होने वाले आम लोगों की बहुत ही बुनियादी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करना शुरू करना होगा।

उन्होंने बुनियादी स्तर पर एक बहुत मजबूत प्रणाली विकसित करने

पर जोर दिया जो नवीनतम तकनीक और सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों से लैस हो।

कोविड -19 स्थिति का उदाहरण लेते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण या अर्ध शहरी स्तर पर कई कोविड-19 आरटीपीसीआर परीक्षण प्रयोगशालाएँ उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए शहरी बड़े अस्पतालों पर बड़ा बोझ पड़ रहा था और साथ ही रोगियों को भी लंबी दूरी की यात्रा करने की वजह से नुकसान उठाना पड़ा। हेल्थकेयर उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य राष्ट्र की संपत्ति है, प्रशिक्षित और कुशल नर्स, पैरामेडिकल और हेल्थकेयर कर्मी समय की जरूरत है और सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

हमें ऐसी अनुकूल नीतियां बनानी चाहिए कि अध्ययन स्तर पर ही लोग स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम करने के लिए आकर्षित हों। इसके लिए स्वास्थ्य शिक्षा की फीस में छूट या किसी अन्य विशेष कार्यक्रम में प्रोत्साहन या सब्सिडी के रूप में हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश भर के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के रिक्त पदों को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक डॉक्टरों की आवश्यकता है। भारत में टीकाकरण अभियान की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीयों का दिल बहुत विशाल है और अगर उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्रेरित किये जाए तो हम उन्हें स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के लिए काम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर अन्य देशों के विपरीत भारतीय टीकाकरण अभियान का स्वागत कर रहे हैं और हमने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने आगे कहा कि अगर सरकारी और निजी हेल्थकेयर प्रदाता हाथ मिलाकर पीपीपी मॉडल पर काम करते हैं तो वे चमत्कार कर सकते हैं। श्रीमती उपासना ने दोहराया कि इस कोविड समय में हम डॉक्टरों द्वारा अधिक से अधिक टेलीमेडिसिन सेवाओं या वीडियो परामर्श को स्वीकार करने वाले लोगों के नजरिये का लाभ उठा सकते हैं और हम इसे जमीनी स्तर पर उपलब्ध करा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय डॉक्टर दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली डॉक्टर हैं और उन्होंने विदेशों में विभिन्न देशों में अपनी अनूठी जगह बनाई है। भारत की भी ऐसी नीति होनी चाहिए कि हम इस ब्रेन ड्रेन को रोकें और हमें ऐसी योजना बनानी चाहिए कि ये डॉक्टर हमारे देश में सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सकें जबकि उनकी जरूरतों का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाए।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

हिमाचल की सामरिक भूमिका अहम

भारत के लिए दुर्भाग्य की बात यह है कि पश्चिमी सरहद पर दहशतगर्दी का मरकज हमशाया मुल्क पाकिस्तान आतंक व नशीले पदार्थों का निर्यातक बन चुका है, वहीं पूर्वोत्तर सीमा पर भू-माफिया चीन जो किसी अंतरराष्ट्रीय कायदे या कानून को नहीं मानता, खामोशी से अपने विस्तारवादी मंसूबों को अंजाम दे रहा है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि भविष्य के युद्धों में भारतीय सेना को 'टू फ्रंट वार' का सामना करना होगा, यानी पूर्वोत्तर में चीन तथा पश्चिमी महाज पर पाकिस्तान से भी निपटना पड़ेगा। सैन्य टकराव में युद्ध के मोर्चों पर दुश्मन का सामना करने वाली भारतीय सेना के लिए वीरभूमि हिमाचल की सामरिक भूमिका बेहद अहम होगी। राज्य में सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण मनाली को लेह से जोड़ने वाली 9.02 किलोमीटर लंबी 'अटल टनल' के वजूद में आने के बाद चीन के सैन्य गलियारों की हरारत बढ़ चुकी है। आधुनिक तकनीक से लैस यह टनल किसी भी स्थिति में भारतीय सशस्त्र सेनाओं को अपने साजो-सामान के साथ लद्दाख घाटी में 'एलएसी' पर पहुंचाने में कारगर साबित हो चुकी है।

इस टनल के निर्माण से लद्दाख में पैंगोग झील तक भारतीय सेना की पहुंच काफी आसान हो चुकी है। 14 देशों के साथ लगती अपनी सीमाओं को 'सलामी स्लाइसिंग' रणनीति के तहत अतिक्रमण में जुटे चीन के सिपहसालारों को इस बात का भली-भांति इल्म है कि जमीनी युद्धों में उसकी 'पीएलए' (पीपल लिबरेशन आर्मी) को दुनिया में केवल भारतीय थलसेना ही नेस्तनाबूद कर सकती है। इसका उदाहरण 5 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय सरजमीं को कब्जाने का दुस्साहस करने वाली चीनी फौज को हमारे शूरवीर सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब देकर कई चीनी सैनिकों को जहन्नुम का रास्ता दिखा दिया था। उस खूनी सैन्य संघर्ष में हमारे 20 जांबाजों ने मातृभूमि की रक्षा में शहादत को गले लगा लिया था। उसी सैन्य संघर्ष में हिमाचली सपूत अंकुश ठाकुर 'सेना मैडल' ने भी अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था, मगर चीन ने गलवान के सैन्य संघर्ष में भारतीय सेना द्वारा मारे गए अपने मरहूम सैनिकों की मौत की हकीकत को दुनिया में बेआबरू होकर कई महीनों के बाद स्वीकार किया था। हिमालयी क्षेत्रों में गुपचुप तरीकों से विस्तारवाद को गति देने में जुटे चीन ने अपने देश में 'द लैंड बाडर्स लॉ' नामक कानून भी तैयार कर लिया है। हिमालय के आंचल में बसे देश के पांच राज्यों से लगती चीन की 3488 किलोमीटर लंबी 'एलएसी' का 240 किलोमीटर भाग हिमाचल के किन्नौर व लाहौल-स्पीति जिलों से भी लगता है। 1962 की भारत-चीन जंग में इन जिलों के सरहदी गांवों के लोगों ने भारतीय सेना का बखूबी साथ निभाकर वतनपरस्ती की मिसाल कायम की थी।

सीमांत क्षेत्रों में खौफके साए में जीवनयापन कर रहे संवेदनशील गांवों के लोग कई आधुनिक सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। चीन जैसे मुल्क से निपटने के लिए वहां के दुर्गम इलाकों की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों से वाकिफ सरहदी क्षेत्रों के युवाओं की भारतीय सेना में भागीदारी बढ़नी चाहिए। 16 नवंबर 2021 को उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर के एक्सप्रैस-वे पर वायुसेना के सुखोई, मिराज, सूर्यकिरण व जगुआर जैसे जंगी विमानों की गर्जना व लैंडिंग की तस्वीरों से पाक व चीन की बौखलाहट बढ़ना स्वाभाविक है। मगर चीन की घेरेबंदी व उसकी मसूबाबंदी को ध्वस्त करने तथा देश के सामरिक क्षेत्रों में रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए सरकारों को ऐसे विकास कार्यों का रोडमैप हिमाचल में भी तैयार करना होगा। हालांकि राज्य में भानुपल्ली, बिलासपुर व मनाली से लेह तक जाने वाली रेललाइन तथा बिलासपुर से मंडी तक फोरलेन सड़क परियोजना का निर्माण कार्य पूर्ण होने से राज्य में पर्यटन उद्योग विकसित होगा तथा यह निर्माण कार्य देश के रक्षा क्षेत्र के लिए भी महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगा।

लेकिन युद्ध जैसे हालात में सशस्त्र सेनाओं को 'शार्ट नोटिस' जैसी आपात स्थिति में देश की पर्वतीय सरहदों तक पहुंचाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों तक राजमार्गों का निर्माण कार्य जरूरी है। चूंकि मैदान-ए-जंग में पहला वार ही शत्रु सेना पर मानसिक दबाव बनाकर युद्ध की दशा व दिशा तय करता है, ऐसे मिशनों में फिजाई हमले अहम किरदार निभाते हैं। अतः राज्य में वायुसेना के लिए मजबूत बुनियाद एयरबेस व हवाई अड्डों के विस्तार को रफ्तार देनी होगी ताकि समरभूमि में हमारे वायुवीर अपने अचूक प्रहारों से दुश्मन के लाव-लश्कर को पलभर में तबाह कर सकें। दूसरी विडंबना यह है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था मौजूद है।

सामरिक विषयों की जानकारी के बिना भी कई हुक्मरान सैन्य कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते रहते हैं, मगर दुनिया में खुफिया तरीके की सोच के साथ रहस्यमयी जीवन जीने वाले मुल्क चीन की सेना अपने दार्शनिक 'सुन्त जू' द्वारा हजारों वर्ष पूर्व युद्ध कलाओं पर लिखी किताब 'आर्ट ऑफ वार' के उसूलों पर चलती है। वहीं पाकिस्तान का निजाम वहां की खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' तय करती है। दोनों देशों में हुकमरानी कानून के बजाय सैन्य ताकत से चलती है। पड़ोस में ऐसे शातिर मुल्कों की साजिशों को मात देने का एकमात्र विकल्प तकनीकी युद्धक क्षमताओं से लैस ताकतवर सैन्यबल ही है। मजबूत सैन्यशक्ति के बिना सर्वशक्तिमान राष्ट्र की कल्पना नहीं हो सकती। भारत के लिए फख्र की बात है कि मरुस्थलों से लेकर हजारों फीट की ऊंचाई वाले 'माऊंटेन वारफेयर' जैसे युद्धों के लिए प्रशिक्षित भारतीय सेना मानसिक व शारीरिक ताकत में पाक व चीन की सेनाओं से बेहतर स्थिति में है। 'लक्षित हमले' जैसे खुफिया सैन्य मिशनों में अपनी श्रेष्ठता साबित कर चुकी भारतीय थलसेना जमीनी युद्धों में विश्व में सर्वोत्तम है। अतः जंग के मुहाने पर खड़े चीन के हुक्मरानों को भारतीय थलसेना द्वारा 1967 में सिक्किम के 'नाथुला ऑपरेशन' में चीनी सेना के हश्र का अंजाम याद करना होगा।

37 साल बाद भी खत्म नहीं हो रहे गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव

योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में वर्ष 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसो साइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा।

भोपाल गैस कांड को 37 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं।

इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत-सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 37 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के संपर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो

दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालत में नहीं थे। वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था। यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल, हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। मिक के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फैंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे। भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किंतु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 37 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रुख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है।

विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इंदौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा, यह एक रहस्यमयी पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के 300 टन से ज्यादा जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है, जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। जहरीली गैस के कारखाने से निकले इस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए सरकार कोई गंभीर प्रयास नहीं कर पाई है और करीब 37 सालों से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन, जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

ममता-शरद पवार बनाम सोनिया

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

परिस्थितियों ने उन्हें नेशनल कांग्रेस पार्टी के नाम से स्वयं को महाराष्ट्र की राजनीति में बंधे रहने के लिए विवश कर दिया है। दृष्टि उनकी भी अखिल भारतीय रही है। ममता और पवार दोनों का मूल कांग्रेस ही है। ममता ने 1997 में और पवार ने 1999 में कांग्रेस को अलविदा कह दी थी। उसका मूल कारण कांग्रेस की राजनीति में ही ढूंढना पड़ेगा। दरअसल ज्यों-ज्यों सोनिया परिवार का कांग्रेस पर शिकंजा कसता गया, त्यों-त्यों पार्टी की दृष्टि, स्वभाव और राजनीति अखिल भारतीय न रह कर परिवार के हितों तक ही सीमित होने लगी थी।

ममता बनर्जी अपनी राजनीति का दायरा बढ़ाना चाहती हैं। वे स्वयं को क्षेत्रीय दल के बंधन से निकाल कर अखिल भारतीय स्तर पर स्थापित करना चाहती हैं। वैसे भी ममता बनर्जी का स्वभाव और उनकी दृष्टि अखिल भारतीय ही रही है। वे संकुचित क्षेत्रीयता से मुक्त रही हैं। लेकिन तृणमूल के साथ वे अखिल भारतीय राजनीति नहीं कर सकतीं। यही स्थिति शरद पवार की है। परिस्थितियों ने उन्हें नेशनल कांग्रेस पार्टी के नाम से स्वयं को महाराष्ट्र की राजनीति में बंधे रहने के लिए विवश कर दिया है। दृष्टि उनकी भी अखिल भारतीय रही है। ममता और पवार दोनों का मूल कांग्रेस ही है। ममता ने 1997 में और पवार ने 1999 में कांग्रेस को अलविदा कह दी थी।

उसका मूल कारण कांग्रेस की राजनीति में ही ढूंढना पड़ेगा। दरअसल ज्यों-ज्यों सोनिया परिवार का कांग्रेस पर शिकंजा कसता गया, त्यों-त्यों पार्टी की दृष्टि, स्वभाव और राजनीति अखिल भारतीय न रह कर परिवार के हितों तक ही सीमित होने लगी थी। इससे कांग्रेस के भीतर ही छटपटाहट बढ़ने लगी। बहुत से कांग्रेसी क्षत्रपों को भी लगने लगा कि कांग्रेस अब देश के हितों का ध्यान न रख कर केवल सोनिया परिवार के हितों की रक्षा करने वाला एक दबाव समूह बनता जा रहा है। इसी के परिणामस्वरूप कांग्रेस से दूर होने की प्रक्रिया शुरू हुई। उधर सोनिया परिवार और भी तेजी से कांग्रेस को अपने परिवार के हितों की रक्षा के लिए कवच की तरह इस्तेमाल करने लगा। स्थितियां यहां तक पहुंच गईं कि सोनिया गांधी भारत की प्रधानमंत्री भी बन सकती हैं, यह खतरा भी स्पष्ट दिखाई देने लगा था। उस समय शरद पवार ने मेघालय के पूर्ण संगमा को लेकर मोर्चा खोला था कि वे सोनिया गांधी को भारत का प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे। खैर अनेकानेक कारणों से सोनिया परिवार प्रधानमंत्री के पद पर तो कब्जा नहीं कर सका, लेकिन कम्युनिस्टों की रणनीति के चलते सोनिया गांधी के नेतृत्व में अनेक राजनीतिक दलों का एक मोर्चा यूपीए के नाम से जरूर गठित हो गया, जिसके प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह बने।

उस समय कुछ काल के लिए ममता बनर्जी और शरद पवार भी अपने-अपने तात्कालिक राजनीतिक हितों के लिए यूपीए में रहे। लेकिन जब यह स्पष्ट होने लगा कि मनमोहन सिंह तो नाम के प्रधानमंत्री हैं और भारत की सत्ता पर परोक्ष रूप से नियंत्रण सोनिया परिवार का ही हो गया था तो यूपीए के घटकों में भी बेचैनी बढ़नी ही थी। कुछ घटक दल उससे छिटक भी गए। सोनिया परिवार द्वारा परोक्ष रूप से सत्ता संभाल लेने और उसकी गतिविधियों से आम भारतीयों में भी बेचैनी बढ़ने लगी। हद तो तब हो गई जब यूपीए सरकार ने उच्चतम न्यायालय में शपथ पत्र दाखिल कर दिया कि राम एक काल्पनिक व्यक्ति थे, असल में उनका कोई अस्तित्व नहीं है। तब यह स्पष्ट होने लगा था कि सोनिया परिवार अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों के लिए ही भारत की सत्ता का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, बल्कि वह भारत के सांस्कृतिक प्रतीकों को भी नष्ट करना चाहता है। सोनिया परिवार के इर्द-गिर्द जिन लोगों का घेरा था, उससे यह शक और भी गहराने लगा था। उसका परिणाम 2014 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट दिखाई देने लगा था। सोनिया परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस पूरे देश में केवल 44 सीटें जीत सकी। उस समय कांग्रेस से छिटक कर गए लोगों मसलन ममता बनर्जी, शरद पवार इत्यादि को लगता होगा कि अब सोनिया परिवार स्वयं ही कांग्रेस पर से अपना शिकंजा ढीला कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके विपरीत सोनिया परिवार ने कांग्रेस पर अपना शिकंजा और कसना शुरू कर दिया। इससे दो प्रकार की प्रतिक्रिया हुई। जो लोग सचमुच कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हुए हैं, उन्होंने पार्टी के भीतर ही जी-23 के नाम से एक समूह बना कर सोनिया परिवार पर दबाव डालना शुरू किया कि वह पार्टी पर से अपनी गेंडुली समाप्त कर पार्टी को एक बार पुनः ज़िंदा होने का अवसर प्रदान करे। लेकिन सोनिया परिवार ने अपनी गेंडुली ढीली करने के बजाय उसे और कसना शुरू कर दिया। कांग्रेस में बहुत से लोग ऐसे हैं जो सोनिया परिवार के सामने केवल इसलिए नतमस्तक होते थे क्योंकि इस परिवार के पास आम कांग्रेसी को जिता कर विधानसभा या लोकसभा पहुंचाने की क्षमता थी। उन्होंने जब देखा कि इस परिवार के पास अब वह जादुई क्षमता नहीं रही, भारत के लोगों ने इस परिवार से वह क्षमता छीन ली है, तो भाग कर अन्य दलों में शामिल होने लगे। लेकिन बहुत से कांग्रेसी ऐसे हैं जो सचमुच विचारधारा के कारण कांग्रेस के भीतर हैं। यह विचारधारा कितनी प्रासंगिक है और कितनी नहीं, यह विवाद का विषय हो सकता है। ऐसे कांग्रेसी अपनी वैचारिक आस्था के कारण पार्टी छोड़ कर दूसरे राजनीतिक दलों में भी नहीं जा सकते हैं। लेकिन सोनिया परिवार के व्यक्तिगत हितों के लिए संपूर्ण पार्टी के दुरुपयोग को देखते हुए, उनके लिए पार्टी के भीतर रहना भी कठिन होता जा रहा था। ममता बनर्जी ने इस प्रकार के कांग्रेस जनों के लिए अपना दरवाजा यह कह कर खोल दिया है कि तृणमूल कांग्रेस ही वास्तव में कांग्रेस की विरासत की उत्तराधिकारी है। यह सचमुच नया प्रयोग है। सोनिया परिवार की मुख्य चिंता यह है कि बहुत से कांग्रेस जनों ने ममता बनर्जी की इस व्याख्या को स्वीकार भी कर लिया है और पिछले कुछ अरसे से अनेक प्रमुख कांग्रेसी तृणमूल में शामिल भी होना शुरू हो गए हैं।

और अब ममता बनर्जी ने शरद पवार को भी अपने इस अभियान से जोड़ लिया है। इन प्रयासों से कांग्रेसी विरासत कितना ज़िंदा होती है, इसका उत्तर तो भविष्य ही देगा, लेकिन सोनिया परिवार का राजनीतिक अस्तित्व संकट में पड़ सकता है, इसमें कोई संशय नहीं है। ममता बैनर्जी का मानना है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का अब कोई अस्तित्व नहीं है। भाजपा तथा उसके सहयोगी दलों को हराने की क्षमता भी उसमें शेष नहीं रही है। इसीलिए वे संप्रग की ओर से विपक्षी दलों की बुलाई गई बैठक में भी शामिल नहीं हुईं।

समाजवाद का सुपर गठबंधन कितना कामयाब होगा ?

मृत्युंजय दीक्षित

किसान आंदोलन की आड़ में आम आदमी पार्टी ने भी उप्र में अपनी जमीन की तलाश शुरू कर दी थी और 170 विधानसभा सीटों को चिन्हित करने के बाद वह भी सपा की ओर मुड़ चली है। एक बहुत छोटी-सी पार्टी है- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी वह भी सपा के साथ मिलकर दो -तीन सीटों पर अपना दमखम दिखवाना चाह रही है। अभी दो-तीन कुछ और छोटे दल समाजवादी दल की साइकिल पर सवार हो सकते हैं। राजनैतिक विश्लेषक समाजवादी गठबंधन की ताकत को अपने हिसाब से बता रहे हैं। माना जा रहा है समाजवादी नेता अखिलेश यादव जिस प्रकार से गठबंधन को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं, उससे उनका नुकसान भी हो सकता है और यह बात कुछ सीमा तक सही प्रतीत भी हो रही है। आज जिन दलों को सपा के साथ जाता हुआ बताया जा रहा है, इन सभी दलों की ताकत 2014, 2017 और 2019 में देखी जा चुकी है।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश के सभी राजनैतिक दलों में गहमागहमी तेज हो गयी है। समाजवादी पार्टी ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के नेता अखिलेश यादव पूरे दमखम के साथ एकबार फिर तैयार हो गये हैं। अपनी जनसभाओं तथा विजय यात्रा में अपनी ताकत का प्रदर्शन भी करने लगे हैं। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी की सत्ता में वापसी कराने के लिए इतने अधिक बेचैन हो गये हैं कि वह और उनके सभी सहयोगी, देश विभाजक जिन्ना के समर्थक बन गये। सपा नेता भी मदिर-मंदिर जा रहे हैं- हालांकि वह अभी तक अयोध्या नहीं गये हैं और न जय श्रीराम खुलकर बोल पा रहे हैं। वहीं, अखिलेश यादव का कहना है कि वह सुपर गठबंधन के सहारे एक गुलदस्ता बना रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने अपने गीत भी लांच कर दिये, जिसमें बंगाल की तर्ज पर प्रदेश में अगली बार खदेड़ा होइबे की बात कही जा रही है। सेकुलर विचारधारा वाले राजनैतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि सपा नेता अखिलेश यादव में अब काफी बदलाव आ रहा है, यही कारण है कि प्रदेश में भाजपा विरोधी सभी ताकतें उनकी साइकिल की सवारी करना चाह रही हैं। समाजवादी पार्टी के साथ ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा आ चुकी है। महान दल, एनसीपी और जनवादी पार्टी सोशलिस्ट का भी सपा के साथ गठबंधन हो चुका है लेकिन अभी सीटों का बंटवारा होना बाकी है। पश्चिम में रालोद के साथ बात बन गयी है और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर भी अब सपा के ही साथ गठबंधन करेंगे। पूर्वांचल में अपना दल (कृष्णा पटेल) और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस भी प्रदेश की राजनीति में अपना जनाधार बनाने के लिए सपा के साथ ही जा रही है। किसान आंदोलन की आड़ में आम आदमी पार्टी ने भी उप्र में अपनी जमीन की तलाश शुरू कर दी थी और 170 विधानसभा सीटों को चिन्हित करने के बाद वह भी सपा की ओर मुड़ चली है। एक बहुत छोटी-सी पार्टी है- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी वह भी सपा के साथ मिलकर दो -तीन सीटों पर अपना दमखम दिखाना चाह रही है। अभी दो-तीन कुछ और छोटे दल समाजवादी दल की साइकिल पर सवार हो सकते हैं। राजनैतिक विश्लेषक समाजवादी गठबंधन की ताकत को अपने हिसाब से बता रहे हैं। माना जा रहा है समाजवादी नेता अखिलेश यादव जिस प्रकार से गठबंधन को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं, उससे उनका नुकसान भी हो सकता है और यह बात कुछ सीमा तक सही प्रतीत भी हो रही है। आज जिन दलों को सपा के साथ जाता हुआ बताया जा रहा है, इन सभी दलों की ताकत 2014, 2017 और 2019 में देखी जा चुकी है। सपा के साथ जितने भी दल जा रहे हैं उनमें केवल सुभासपा ही एकमात्र ऐसा दल है जिसका पूर्वांचल की 30 सीटों पर कुछ प्रभाव है। सपा के साथ कांशीराम बहुजन मूल समाज पार्टी, पालिटिकल जस्टिस पार्टी और अपना दल (कमेरावादी) भी हो गए हैं। वहीं दो छोटी पार्टियों लेबर एस पार्टी और भारतीय किसान सेना ने तो स्वयं का सपा में विलय ही कर लिया है। इसके अलावा वह दूसरे दलों के नेताओं को भी सपा में शामिल कर रहे हैं। वह अपना यह काम हर रोज कर रहे हैं कि ताकि बीजेपी के खिलाफ एक माहौल बनाया जा सके। सपा ने हर चुनाव में किसी न किसी दल के साथ गठबंधन किया लेकिन वह सुपर फ्लॉप होती चली गयी। रही बात पश्चिम में रालोद की तो वह किसान आंदोलन के कारण बीजेपी से नाराज होकर सपा के साथ चली गयी है क्योंकि उसे लग रहा था कि केंद्र की मोदी सरकार कृषि कानूनों को वापस नहीं लेगी और वह किसानों की नाराजगी को अपने पक्ष में मोड़ लेगी लेकिन अब मोदी सरकार ने अचानक देशवासियों को चौंकाते हुए कृषि कानूनों को वापस ले लिया है। भाजपा सरकार द्वारा कृषि कानून वापस लिये जाने के बाद अब किसान आंदोलन का कोई मतलब नहीं रह गया है और चुनावों के नजदीक आते-आते किसानों की अधिकांश समस्याओं का समाधान हो जायेगा। इसके साथ ही पश्चिम जहां बीजेपी को कुछ नुकसान होता दिखलायी पड़ रहा था वह भी कम हो जायेगा। सपा नेता एक गुलदस्ता तो जरूर बना रहे हैं लेकिन अगर वह नाकाम रहे तो यह गुलदस्ता बिखरने में देर भी नहीं लगायेगा। यह गुलदस्ता कितनी सीटें जीतकर आता है यह भी देखना दिलचस्प होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव कह रहे हैं कि वह इस बार गुलदस्ता बनाकर और समाजवादी इत्र देकर अपनी सरकार बनाकर रहेंगे। लेकिन उनका यह जोश दिखावटी भी साबित हो सकता है क्योंकि अखिलेश यादव गठबंधन बनाने के नाम पर कुछ अधिक ही झुक रहे हैं। समाजवादी गुलदस्ता बन तो रहा है लेकिन इसके कारण सपा में पुराने नेताओं व कार्यकर्ताओं में बेचौनी भी है। सपा में अंदरूनी बेचौनी आने वाले समय में सपा को गहरा झटका भी दे सकती है। सपा नेता अखिलेश यादव एक बहुत ही सोची समझी रणनीति के अंतर्गत अयोध्या, मथुरा और काशी का नाम नहीं ले रहे हैं। सपा मुखिया ब्राह्मण समाज को अपनी ओर आकर्षित करने के लिये जगह-जगह भगवान परशुराम की मूर्तियां बनाने की बात कह रहे हैं। सभी जातियों को खुश करने के लिये महापुरुषों की जयंती पर अवकाश घोषित करने का ऐलान कर रहे हैं लेकिन उनका यह जोश उनके लिये घातक भी हो सकता है। सपा को अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर कतई रास नहीं आ रहा है। वह अयोध्या में हर साल बनायी गयी दीपावली को फिजूलखर्ची बता रहे हैं। अयोध्या में समाजवादी नेताओं ने आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर जमीन घोटाले का आरोप लगाया और कहा कि पहले जमीन घोटाले की जांच हो और फिर भव्य मंदिर निर्माण। सपा नेता सीएए और एनआरसी का लगातार विरोध कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि वह कतई नहीं बदले हैं। साथ ही वह जिस प्रकार से जिन्ना का महिमा मंडन कर रहे हैं उससे पता चल रहा है कि वह विभाजनकारी मानसिकता वाले हैं। सपा नेता अखिलेश यादव ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर मोहम्मद अली जिन्ना को स्वतंत्रता सेनानी बताकर मुस्लिम तुष्टिकरण का बहुत ही घटिया और शर्मनाक उदाहरण पेश किया है। अखिलेश यादव बहुत सोची समझी रणनीति के तहत प्रचार कार्य कर रहे हैं। वह जनसभाओं में केवल बीजेपी पर ही हमलावर हैं तथा कांग्रेस व बसपा के खिलाफ चुप्पी साध ली है। वह इसीलिये कि अगर उन्हें कुछ सहयोग की आवश्यकता पड़ी तो कांग्रेस, बसपा और ओवैसी की मदद लेकर भी सरकार बनायी जा सकती है। यही कारण है प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब कहना शुरू कर दिया है कि ओवैसी सपा का सहयोग कर रहे हैं। वे दावा करते हैं कि भाजपा सरकार उनके किये कामों का उद्घाटन-शिलान्यास कर रही है। वह चाहे कानपुर की मेट्रो हो या फिर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन हर जगह वह अपना काम ही बता रहे हैं, जिसे जनता भी अच्छी तरह से समझ रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

पश्चिम चंपारण में 106 बोतल विदेशी शराब के साथ तीन धंधेबाज गिरफ्तार

पश्चिम चंपारण (पिपरासी) (एजेंसी)। धनहा पुलिस ने बांसी दहवा पुलिस चेक पोस्ट से गुप्त सूचना के आधार पर एक बस से 96 बोतल विदेशी शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि बस की जांच के दौरान पश्चिमी चंपारण के शिकारपुर थाना क्षेत्र लालगढिया गांव निवासी धीरेंद्र कुमार पिता रघुनाथ महतो तथा पश्चिमी चंपारण जिला के योगापट्टी थाना क्षेत्र रामपुरवा पटखौली गांव निवासी राजेंद्र पटेल पिता ध्रुव पटेल को 96 बोतल

विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उधर जय मां काली बस के कर्मियों ने शक के आधार पर एक बैग जांच कर एक तस्कर को दबोच कर पुलिस को सौंप दिया। बैग में 10 विदेशी विदेशी शराब मिली । बस के कर्मियों ने बताया कि यह धंधेबाज दूसरे बस पर सवार था । बस बदल कर जय मां काली बस में चढ़ा । जिस पर संदेह होने पर बैग की तलाशी ली गई । तो शराब मिली । पुलिस के पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल कुमार पिता उत्तम पटेल निवासी छतौनी मोतिहारी बताया। उसने बताया कि वह मजदूरी करता है । पडरौना से शराब खरीदी थी और उसे मोतिहारी पहुंचाना था । बता दें कि यूपी कुशीनगर के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के एक धंधेबाज के द्वारा यह ध्ंधा बड़े पैमाने पर कराया जा रहा है । जिसके तार मोतीहारी से जुड़े हैं। पुलिस को चकमा देकर फरार शराब के धंधेबाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष लालबाबू कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान तोनवा निवासी नवल चौहान पर पूर्व में 2.5 लीटर देशी शराब घर के पीछे से मिलने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसको पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुल?िस अब शराब धंधेबाजों पर गंभीरता पूर्वक कार्रवाई शुरू कर दी है।

नवादा में दरवाजा बंद कर सोने के लिए विवाद में भतीजे ने चाचा को मार दी गोली

नवादा (एजेंसी) । कादिरगंज सहायक थाना क्षेत्र के कादिरगंज बाजार में शुक्रवार को भतीजा नीतीश कुमार ने अपने चाचा योगेंद्र चौधरी को गोली मार दी। गोली चाचा के सीने को पार करते हुए पास में खेल रहे एक बालक विकास कुमार को भी जा लगी। जिससे दोनों जख्मी हो गए। आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बालक को पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। रात में घर का दरवाजा बंद कर सोने को लेकर विवाद हुआ था। घायल योगेंद्र ने बताया कि सभी परिवार एक साथ रहते हैं। गुरुवार की रात भतीजा घर का दरवाजा खोल कर सो रहा था। उसे दरवाजा बंद कर सोने के लिए कहा गया। जिसपर वह रात में उलझ गया। घायल ने बताया कि रात में उत्पन्न विवाद के बाद शुक्रवार की सुबह भी कहासुनी शुरू हो गई। जिसके बाद पंचायत बुलाई गई। भतीजे ने निर्णय लिया कि वह किराए के मकान में रहेगा। वह घर खाली भी करने लगा। अचानक दोपहर को पिस्टल लेकर पहुंचा और उनपर गोली चला दी। गोली सीने में दाहिने

तरफ लगकर पार कर गया। वही गोली पास में खेल रहे संतोष चौधरी के 10 वर्षीय पुत्र विकास कुमार को भी सीने में जा लगी। जिससे दोनों जख्मी हो गए। गोली मारने के बाद भतीजा फरार हो गया। घायल ने बताया कि गोली मारने वाले भतीजा का एक भाई मुंबई पर रहता है। उसके उकसावे पर ही गोली चलाई गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही वहां अफरातफरी मच गई। कुछ पल के लिए लोग आवाक रह गए। तत्काल कादिरगंज ओपी प्रभारी को घटना की सूचना दी गई। घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से जख्मी बालक को रेफर कर दिया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर कादिरगंज ओपी प्रभारी सूरज कुमार वहां पहुंचे और तहकीकात की। वहीं नगर थानाध्यक्ष नरोत्तम ने भी सदर अस्पताल पहुंच कर घटना की जानकारी ली। कादिरगंज ओपी प्रभारी सूरज कुमार ने बताया कि घायल से बयान लिया गया है। एक ही गोली लगने से दोनों जख्मी हुए हैं। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बिहार में मोटी सैलरी पर होगी सवा लाख शिक्षकों की बहाली, इन विषयों के टीचरों को मिलेगी नौकरी

पटना (एजेंसी) । राज्य सरकार संस्कृत एवं उर्दू शिक्षा को बढ़ावा देगी। इसे देश के किसी अन्य राज्य की तुलना में अधिक बेहतर बनाया जाएगा। शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने गुरुवार को विधानसभा में यह घोषणा की। वे शिक्षा विभाग की अनुपूरक व्यय विवरणी पर हुई बहस का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया समाप्त होते ही करीब सवा लाख शिक्षकों की बहाली होगी। सवा आठ हजार फिजिकल टीचर भी बहाल होंगे। उन्होंने कहा कि करीब 40 हजार शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सरकार ने सभी शिक्षकों को एक साथ नियुक्ति पत्र देने का फैसला किया है। ताकि वरीयता को लेकर कोई विवाद नहीं हो। क्योंकि एक ही विज्ञापन के आधार पर अगर अलग-अलग तारीखों में बहाली होगी तो इसे लेकर कोई व्यक्ति न्यायालय में भी जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में फिसड्डी होने के विपक्ष के आरोपों

को खारिज करते हुए चौधरी ने कहा कि वर्ष 2005 की स्थिति की तुलना करें तो नीतीश कुमार के कार्यकाल में बहुत सुधार हुआ है। प्राथमिक स्कूलों की संख्या 37 हजार से बढ़कर 40 हजार हो गई है। माध्यमिक विद्यालयों की संख्या तब साढ़े 13 हजार थी। वह अब 29 हजार है। उन्होंने राजद शासन काल में हुई शिक्षक बहाली में धांधली की ओर इशारा करते हुए कहा-शिक्षकों की बहाली बिहार लोक सेवा आयोग से हुई थी। लेकिन, उस समय में आयोग के चार में से सिर्फ एक अध्यक्ष निलंबित हुए थे। तीन को जेल की हवा खानी पड़ी थी। नीतीश सरकार की बहाली नीति में पूरी पारदर्शिता है। चौधरी ने कहा कि कुछ लोग राज्य के शिक्षकों को कम वेतन देने की शिकायत करते हैं। अभी जो बहाली हो रही है, उसमें राज्य के शिक्षकों को वेतन के तौर पर 36 हजार रुपया दिया जाएगा। यह असम के वेतन 31 हजार और झारखंड के 34 हजार रुपये से अधिक है। बिहार में अपर प्राइमरी के शिक्षकों को 38 हजार, झारखंड में 35 हजार और असम में 33 हजार रुपया वेतन दिया जाता है। उन्होंने बताया कि साढ़े पांच हजार पंचायतों में उच्च माध्यमिक स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। इनके लिए भी भवन एवं शिक्षक की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि शिक्षकों की कमी के चलते कुछ स्कूलों में पढ़ाई बाधित हो रही है। जल्द ही यह समस्या दूर होगी। एक किमी की दूरी पर प्राइमरी, तीन किमी की दूरी पर मध्य और पांच किमी के दायरे में माध्यमिक स्कूल खुल चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने एआइएमआइएम के नेता अख्तरूल ईमान को भरोसा दिलाया कि सरकार उर्दू और संस्कृत को प्राथमिकता दे रही है।

हाजीपुर के जीजा-साले के कारनामे से पटना पुलिस हैरान

पूरा परिवार ही करता है ऐसा काम

पटना (एजेंसी) । पटना पुलिस ने वैशाली जिले के हाजीपुर सदर थाने के रहने वाले जीजा-साला को गिरफ्तार किया है। ये दोनों मिलकर पटना में आपराधिक वारदात को अंजाम देते थे।

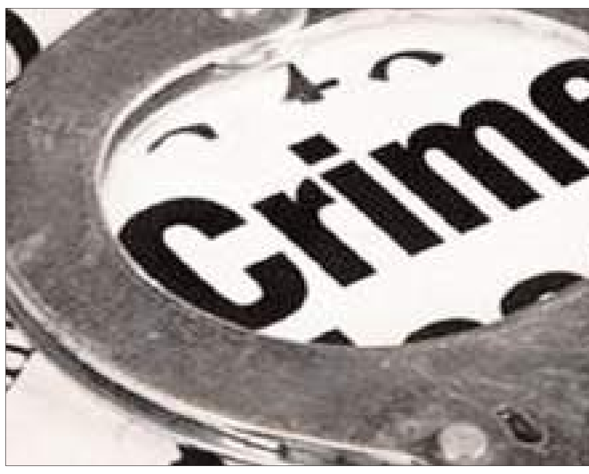

सीसीटीवी फुटेज और उनकी बाइक के नंबर के सहारे पुलिस उन तक पहुंच गई। ये दोनों कंकड़बाग थाना पुलिस के हाथ लगे हैं। पुलिस का दावा है कि दोनों लोगों से लूटपाट व रुपये उड़ाने का काम करते थे। आरोपितों की पहचान हाजीपुर सदर निवासी कृष्णा तिवारी और मनोज पांडेय के रूप में हुई है। कुछ दिनों पहले सीसीटीवी कंपनी कर्मी बैंक से दो लाख रुपये बैग में ले जा रहे थे। तभी तीन बाइक पर सवार छह अपराधियों ने सरेआम ब्लेड मारकर रुपये उड़ा लिए थे। आरोपितों के पास से वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। अन्य आरोपितों की तलाश में छापे मारे जा रहे हैं। कंकड़बाग थाना प्रभारी रविशंकर सिंह ने बताया कि पप्पू कुमार सीसीटीवी बनाने वाली कंपनी में काम करते हैं। घर के बंटवारा में उन्हें छह लाख रुपये मिले थे। 24 नवंबर को वह कंकड़बाग स्थित बैंक आफ बड़ौदा से दो लाख रुपये निकाले थे। रुपये बैग में रख वह बाइक से जमाल रोड होते हुए चिरैयाटांड़, जगनपुरा के रास्ते राम कृष्णा नगर स्थित अपने घर जा रहे थे। जगनपुरा मोड़ पर उन्हें बैग हल्का लगा। बाइक से उतरकर देखा तो पता चला कि किसी ने ब्लेड से बैग काटकर दो लाख रुपये चुरा लिए हैं। इसकी शिकायत उन्होंने कंकड़बाग थाने में की थी। घटना की जानकारी के बाद जांच के लिए एसआइ सुमन कुमार को लगाया गया। जिन रास्ते से पीड़ित गुजरे थे उन स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज से पता चला कि तीन बाइक पर छह बदमाश बैंक से ही पप्पू कुमार का पीछा कर रहे थे। ट्रैफिक में रुकने के दौरान जगनपुरा मोड़ के पास बदमाशों ने रुपये उड़ा लिए थे। उसके बाद बाइक के नंबर के आधार बदमाशों की पहचान की कोशिश की गई। वहीं, बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने बुधवार को हाजीपुर से कृष्णा तिवारी और मनोज पांडेय को दबोच लिया। कंकड़बाग थाना प्रभारी रविशंकर सिंह ने कहा कि छानबीन में पता चला कि कृष्णा तिवारी का पिता और बेटा सहित पूरा परिवार लूटपाट व चोरी की वारदात करता है। अपराधियों की अन्य अपराध में संलिप्तता की छानबीन के अलावा रुपये बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ओमिक्रोन की दस्तक के साथ ही पटना में फिर से शुरू हुई तैयारी, बनाया जा रहा आइसोलेशन सेंटर

पटना (एजेंसी) । ओमिक्रोन वैरिएंट की दस्तक के साथ जिले में आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर तैयार होने लगे हैं। इसी क्रम में आयकर गोलंबर स्थित होटल पाटलिपुत्र अशोक की साफ-सफाई गुरुवार से शुरू हो गई है। यहां ग्राउंड फ्लोर पर कोरोना टीकाकरण का कार्य और ऊपरी तल पर हल्के लक्षण वाले कोरोना संक्रमितों को रखा जाता है। इसके अलावा कंगनघाट, राधास्वामी सत्संग भवन के अलावा हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पांच बेड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल सर्जन के अनुसार विभाग से पूर्व में संचालित केंद्रों को शुरू करने का निर्देश मिला है, इसी के तहत विभिन्न इलाकों में अलग-अलग केंद्रों को तैयार किया जा रहा है। यदि कोई संक्रमित आता है तो उन्हें इन केंद्रों में रखा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बिहार में बने पासपोर्ट पर पटना लौटे 570 लोगों की जो सूची सौंपी थी उनमें से 230 से संपर्क हो गया है। इनमें से 165 के कोरोना सैंपल लिए गए हैं। 119 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव मिली है। विदेश से लौटने वाले 46 लोगों के सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी है। सिविल सर्जन डा. विभा कुमारी सिंह के अनुसार पांच मोबाइल टीमें विदेश से लौटे लोगों की तलाश व जांच में लगाई गई हैं। हर टीम को हर दिन 25-25 लोगों का नमूना लेने का लक्ष्य दिया गया है। टीमें हर दिन फोन पर समय निश्चित कर निकलती हैं लेकिन थोड़ी भी देर होने पर व्यक्ति काम बताकर निकल जाता है। ऐसे में टीमों को लक्ष्य प्राप्ति में मुश्किल हो रही है। जिन लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है या पासपोर्ट पर दिए पते में वे नहीं रहते हैं, उनकी तलाश के लिए आशा कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है। सिविल सर्जन के अनुसार गुरुवार को एयरपोर्ट पर 116 और तीनों रेलवे स्टेशनों पर 527 लोगों की जांच की गई। इनमें से किसी की रिपोर्ट पाजिटिव नहीं आई है। एयरपोर्ट पर दो टीमें लगाने के बावजूद जांच संख्या नहीं बढ़ने का कारण उन्होंने अधिकतर लोगों के पास 72 घंटे पहले तक की निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट होना या वैक्सीन की दोनों डोज लेने का प्रमाणपत्र होना बताया। उन्होंने कहा कि गुरुवार से एयरपोर्ट पर कोरोना की दोनों वैक्सीन देने की सुविधा बहाल कर दी गई है। यात्री एयरपोर्ट पर वैक्सीन की पहली या दूसरी डोज ले सकते हैं।

बिहार के किसानों के लिए बड़ी खबर, खाद की रेक आनी शुरू

पटना (एजेंसी) बिहार में रबी फसल की बुआई में जुटे किसानों के लिए बड़ी खबर है। राज्य सरकार के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि उर्वरकों की किल्लत जल्द ही दूर हो जाएगी। इस महीने की पांच तारीख तक सभी जिलों को उनकी आवश्यकता के हिसाब से डीएपी पहुंच जाएगी। इसकी रेक आनी शुरू हो गई है। उन्होंने यह स्वीकार किया कि डीएपी की किल्लत है। यह भी जानकारी दी कि किस जिले में इसकी रेक लगने वाली है। कृषि मंत्री ने आवश्यकता के हिसाब से उर्वरकों की आपूर्ति को ले राज्य सरकार ने केंद्र को लिखा था। केंद्र सरकार ने शीघ्र रेक पहुंचने की जानकारी दी है। डीएपी की जो मांग है उसके हिसाब से उपलब्धता 35 प्रतिशत है। किसानों की दिक्कत को वह जानते हैं। यूरिया की उपलब्धता पूरी तरह से है। डीएपी की कमी को ले केंद्रीय उर्वरक मंत्री ने उन्हें एक लाख टन एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराने को कहा है। खरीफ मौसम में हमलोगों ने किसानों को 266 रुपए बैग यूरिया उपलब्ध कराया। पहली बार किसानों को इस मूल्य पर यूरिया मिला। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए उनके 18 स्क्वायड लगातार सक्रिय हैं। रबी मौसम में अब तक 11 शिकायतें आई हैं। इस क्रम में चार उर्वरक विक्रेताओं पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। हर संभव आवश्यक कार्रवाई हो रही है। ध्यानाकर्षण अजय कुमार, अख्तरूल इस्लाम, डा. सत्येंद्र यादव, रामरतन सिंह, राजवंशी महतो. मो. इजहार, आलोक कुमार, विजयशंकर दूबे और डा. रामानंद यादव द्वारा लाया गया था। खाद की किल्लत पर कृषि मंत्री के बयान पर राजद के सुधाकर यादव भी तेज आवाज में बोल रहे थे।

कांग्रेस से मिले बार-बार के झटकों से आहत हैं सुनील जाखड़

चंडीगढ़ (एजेंसी) । कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ की नाराजगी पार्टी के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जाखड़ को मनाने के लिए दो बार बैठक कर चुके हैं। इसके बावजूद परिणाम शून्य ही नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि बुधवार को राहुल गांधी ने जाखड़ को यहां तक कह दिया कि वह हमेशा ही उनके साथ रहे हैं। इसके बावजूद जाखड़ की नाराजगी दूर नहीं हो रही है, जबकि पूर्व प्रदेश प्रधान ने पार्टी के उपमुख्यमंत्री बनने के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था। इसी वजह से कांग्रेस की परेशानी भी बढ़ रही है, क्योंकि उन्हें जाखड़ का कोई विकल्प नहीं मिल पा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर क्या वजह है कि शांत रहकर हमेशा ही पार्टी के हक में चलने वाले जाखड़ इतने नाराज हो गए कि राहुल द्वारा बार-बार मनाने के प्रयास करने के बावजूद उनकी नाराजगी दूर नहीं हो रही है। जाखड़ के करीबी सूत्र बताते हैं कि पूर्व प्रदेश प्रधान ने पार्टी द्वारा बार-बार नजरंदाज किए जाने का तो बुरा नहीं माना, लेकिन जब मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम केवल इसलिए कट गया, क्योंकि वह पगड़ीधारी नहीं है। इसके बाद उनका गुस्सा गहरी नाराजगी में बदल गया। जाखड़ की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि जब 40 विधायकों ने उनके हक में राय दी इसके बावजूद उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। हालांकि जाखड़ को पार्टी ने उन्हें बेंगलूर के दौरे से वापस चंडीगढ़

बुला लिया था, लेकिन अंतिम समय में अंबिका सोनी कांग्रेस हाईकमान यह दबाव बनाने में कामयाब रही कि पंजाब में केवल पगड़ीधारी को ही मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। जिसके बाद उनका पत्ता कट गया। सूत्र बताते हैं कि पार्टी द्वारा एक बार फिर नजरंदाज किए जाने से वह खासे नाराज हो गए। कांग्रेस ने 2012 में सुनील जाखड़ को नेता प्रतिपक्ष बनाया था, लेकिन 2015 में पार्टी ने उनसे इस्तीफा लेकर चरणजीत सिंह चन्नी को नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया। हालांकि पार्टी के इस फैसले ने उस समय भी सभी को चौंकाया था। 2017 में कैप्टन अमरिंदर द्वारा मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बाद पार्टी ने जाखड़ को प्रदेश प्रधान बनाया था। जब नवजोत सिंह सिद्धू ने तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ बगावत शुरू की तो पार्टी ने जाखड़ का इस्तीफा लेकर सिद्धू को प्रदेश प्रधान की जिम्मेदारी दी। अहम बात यह थी कि बतौर प्रदेश प्रधान जाखड़ ने दो बार जिला व प्रदेश कमेटियों के नाम फाइनल करके हाईकमान को भेजा था, लेकिन कांग्रेस ने इन कमेटियों पर कभी भी मोहर नहीं लगाई। जाखड़ पार्टी के अकेले ही प्रधान रहे। बतौर प्रधान जाखड़ ने कैप्टन के फैसलों व नीतियों को लेकर जब भी पार्टी को पत्र लिखा हाईकमान ने कभी भी उस पर तवज्जों नहीं दी, लेकिन प्रदेश प्रधान पद से हटाते समय यह संदेश दिया गया जैसे जाखड़ ही सबसे बड़े 'विलेन' रहे हों। वहीं, रही सही कसर मुख्यमंत्री पद के फैसले को लेकर कर दी। सूत्र बताते हैं कि जाखड़ को सबसे ज्यादा बुरा इस बात को लेकर लगा कि पार्टी ने आखिर मुख्यमंत्री पद को लेकर वोटिंग क्यों करवाई। अगर पार्टी ने विधायकों की राय जानी ही थी तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए था।

पूर्णिया के रिंटू सिंह हत्याकांड पर खूबे गरजे तेजस्वी, मंत्री लेसी सिंह को कह दिया नीतीश की करीबी और चहेती

पटना (एजेंसी) । बिहार के पूर्णिया जिले के बनमनखी में हुए रिंटू सिंह हत्याकांड को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर खूब गरजे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा कि रिंटू सिंह हत्याकांड में बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह और उनके भतीजे अठिया प्राथमिक अभियुक्त हैं। पुलिसिया दस्तावेज में भी दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध ठोस साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है। लेकिन, नीतीश कुमार अपनी करीबी और चहेती मंत्री लेसी सिंह को खुलकर बचा रहे हैं। यहां तक कि मंत्री के भतीजे को भी पुलिस ने नहीं पकड़ा। तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर नीतीश कुमार को गुंडाराज का संरक्षक बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदानंद सिंह एवं रिंटू सिंह की विधवा समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार अक्सर कहते हैं कि सरकार न किसी को बचाती है और न फंसाती है। फिर, लेसी सिंह और उनके भतीजे की गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई। नीतीश कुमार व्यक्तिगत तौर पर लेसी सिंह को बचाने में क्यों लगे हैं लेसी सिंह के भतीजे का दुस्साहस इतना रहा कि वह रिंटू सिंह को गोली मारने के बाद दोबारा घटनास्थल पर पुलिस की मौजूदगी में यह देखने जाता है कि वह मरे या नहीं! सीसीटीवी

फुटेज में सब रिकॉर्ड है, लेकिन मंत्री की गिरफ्तारी तो दूर उनके भतीजे को छूने की हिम्मत भी पुलिस में नहीं है। बिहार पुलिस जदयू कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही है। एक व्यक्ति जिसकी हत्या कर दी जाती है, वह घटना से पहले थाने में आवेदन देकर सुरक्षा की मांग करता है। उस वक्त भी वह उन्हीं आरोपियों पर शक जाहिर करता है, जिन्होंने बाद में उसकी हत्या करवा दी। लेकिन, पुलिस ने न उस समय कार्रवाई की और न हत्या के बाद कार्रवाई कर रही है। कारण- बिहार में अपराध है, क्योंकि नीतीश कुमार हैं।

राजद विधायक तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले दो सत्र से विधान मंडल में गृह विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग से जुड़े प्रश्न पूछने पर रोक लगा दी गई। ये दोनों विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास है। तेजस्वी ने कहा कि हमने रिंटू सिंह की हत्या के बाबत विधान मंडल में प्रश्न पूछा चाहा, लेकिन मौका नहीं दिया गया। इस तरह की मनमानी चल रही है, इसलिए मुझे कार्यालय आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करना पड़ा। ताकि, मेरे पास आए पीड़ित परिवार को इंसाफ मिल सके। बाहर या भीतर में भले कोई कुछ कहे न कहे, लेकिन सारे लोग जानते हैं कि सरकार किस तरह तानाशाही कर रही है। अपराध चरम पर है और यहां बोलने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है।

बिहार सरकार ने मान ली मिथिला क्षेत्र की बड़ी मांग, सदन में मिला आश्वासन तो खुश हो गए इलाके के लोग

पटना (एजेंसी) । मिथिला क्षेत्र की बड़ी मांग बिहार सरकार ने पूरी कर दी है। कांग्रेस सदस्य प्रेमचंद्र मिश्रा के ध्यानाकर्षण पर विधान परिषद में कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने यह आश्वासन दिया है कि बिहार के मखाना को मिथिला मखाना के नाम से ही पूरी दुनिया जानेगी। मिथिला मखाना के नाम से ही जीआइ टैग देने का प्रस्ताव है, जो प्रक्रियाधीन है। मखाना के कुल उत्पादन का 90 फीसद बिहार में होता है और उसमें भी 88 फीसद सिर्फ दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया और कटिहार जिले में होता है। यह पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है। आपको बता दें कि मखाना को बिहार की बजाय मिथिला के नाम से जीआइ टैग देने के लिए इंटरनेट मीडिया पर बड़ा अभियान चला था। विधान परिषद में कब्रिस्तान के सवाल पर जदयू सदस्य अपनी ही सरकार के मंत्री विजेंद्र यादव से उलझ गए। जदयू सदस्य गुलाम गौस ने पटना जिले धनरुआ प्रखंड के सांडा ग्राम में कब्रिस्तान की घेराबंदी न होने का सवाल उठाया। इस पर प्रभारी गृह मंत्री के तौर पर जवाब दे रहे विजेंद्र यादव ने बताया कि वह कब्रिस्तान है ही नहीं। इतना सुनते ही गुलाम गौस के साथ जदयू के ही खालिद अनवर भी अपनी सीट से खड़े हो गए और इसका ऊंची आवाज में विरोध किया। गुलाम गौस ने इसे भ्रामक और गैर जिम्मेदार बयान बताया। विजेंद्र यादव ने भी पलटवार करते हुए कहा कि चिल्लाइए नहीं। लिखकर दीजिए। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री नीरज कुमार बबलू ने विधानपरिषद में बताया कि इस वित्तीय वर्ष में पांच करोड़ पौधे लगाए जाने के लक्ष्य के विरुद्ध 18 नवंबर तक 3 करोड़ 87 लाख 62 हजार 497 यानी 77 फीसद पौधों का रोपण किया जा चुका है।

स्वर्गवासी विधायक ने बिहार विधानसभा में पूछा सवाल, जवाब आया तो हैरान रह गए विधानसभा अध्यक्ष

पटना (एजेंसी) । बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आज पांचवां और आखिरी दिन है। इस दौरान एक बेहद रोचक वाकया सामने आया है। सदन में एक ऐसे विधायक के सवाल का जवाब सरकार की ओर से दिया गया, जो महीना भर पहले भी दिवंगत हो चुके हैं। विकासशील इंसान पार्टी के विधायक रहे मोसाफरि पासवान का निधन इलाज के क्रम में हो गया था। वे लंबे समय से बीमार थे। बताया जा रहा है कि उनके बीमार रहने के दौरान ही विधानसभा को उनका सवाल मिल गया था। अधिकारियों ने जवाब तैयार भेजा तो इस बात पर ध्यान शायद नहीं दिया कि प्रश्न पूछने वाले विधायक का निधन हो चुका है। इस पूरे प्रकरण पर राजद के विधायक ललित यादव ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सदन पहले ही दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि दे चुका है। ऐसे में उनका सवाल सदन में कैसे आ सकता है। विधानसभा सचिवालय को इस पर ध्यान देना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने इस मामले में जांच का आश्वासन दिया है।

सदन के इस संक्षिप्त सत्र में हर रोज हंगामा हुआ है। सदन के बाहर परिसर में मर्यादा भी टूटी है, हालांकि सदन के अंदर काफी हद तक विधायकों और विधान पार्षदों ने संयम दिखाया है। एक दिन पहले यानी गुरुवार को सरकार के मंत्री ही

गुस्से में आ गए। विधानसभा के गेट पर डीएम और एसएसपी को पहले निकाले जाने के लिए श्रम संसाधन मंत्री जीवेश मिश्रा की गाड़ी को रोक दिया गया। इस मामले को लेकर मंत्री ने सदन के बाहर और अंदर लगातार नाराजगी दिखाई। आज इस मामले का पटाक्षेप होने की उम्मीद है। राजद सदस्य रामचंद्र पूर्वे ने गुरुवार को सदन में सीमा पर चेकिंग न होने से पड़ोसी राज्यों से सीमावर्ती जिले सहरसा, पूर्णिया, कटिहार आदि में कपड़े व लाल ईंट बेचे जाने का मसला उठाया। इससे राज्य को हो रहे करोड़ों के नुकसान की बात कही गई। इस पर उप मुख्यमंत्री सह वाणिज्य कर विभाग के मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने माना कि यह बात सही है। उन्होंने कहा कि समेकित चौकी और चलंत दस्ता की मदद से इसकी जांच तेज की जाएगी। सदन को आश्वस्त किया कि सत्र के बाद जल्द ही अफसरों के साथ बैठक कर निर्णय लिया जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। विधानपरिषद में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री संतोष कुमार सुमन ने बताया कि कोरोना को देखते हुए छात्रवृत्ति के लिए तय 75 फीसद उपस्थिति के नियम को शिथिल किया गया है। अभी आवेदन लिए जा रहे हैं। 40 लाख से अधिक लाभार्थियों का लक्ष्य है। इसके लिए 600 करोड़ से अधिक राशि स्वीकृत हुई है। मार्च तक सभी लाभुकों को छात्रवृत्ति का भुगतान कर दिया जाएगा। राजद सदस्य रामबली सिंह के अरवल जिले के करपी प्रखंड के जोन्हा गांव के कटाव को लेकर उठाए गए सवाल पर लघु जल संसाधन मंत्री संतोष सुमन ने आश्वासन दिया कि अगले वित्तीय वर्ष तक गांव को कटाव से बचाने का काम पूरा कर लिया जाएगा।

श्रीकांत विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर

बाली (एजेंसी)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत मलेशिया के ली जि जिया के हाथों ग्रुप बी का तीसरा और आखिरी मैच सीधे गेम में हारकर सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफविश्व टूर फाइनल्स से बाहर हो गए। दुनिया के

पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को आल इंग्लैंड चौम्पियन ली ने 37 मिनट में 21.19) 21.14 से हराया। दुनिया के आठवें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी के हाथों श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। वह हाइलो ओपन में भी उससे हार गए थे। शुरूआत में वह 0.3 से पीछे थे लेकिन एक समय 9.8 की बढत बना ली। ली ने हालांकि ब्रेक तक दो अंक की बढत ले ली थी। श्रीकांत ने ब्रेक के बाद फिर 17.15 की बढत बनाई लेकिन लय खोने के कारण पहला गेम गंवा दिया। दूसरे गेम में अच्छी शुरूआत करके 7.3 का फायदा लिया लेकिन ली ने फिर वापसी करते हुए श्रीकांत को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

आदिल राशिद की हैट्रिक से दिल्ली बुल्स ने टीम अबुधाबी को 49 रन से हराया

अबुधाबी (एजेंसी) । इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद की हैट्रिक के दम पर दिल्ली बुल्स ने अबुधाबी टी10 टूर्नामेंट में गुरुवार को यहां 'टीम अबुधाबी' को 49 रन से शिकस्त देकर सत्र की सातवीं जीत दर्ज की। दिल्ली ने पांच विकेट पर 135 रन बनाने के 'टीम अबुधाबी' को निर्धारित 10 ओवर में आठ विकेट पर 86 रन ही बनाने दिये। इस जीत के साथ दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान में पहुंच गयी है। 'टीम अबुधाबी' को शीर्ष दो में पहुंचने के लिए मैच में कम से कम 108 रन की जरूरत थी लेकिन टीम का स्कोर 10 गेंद के अंदर एक विकेट पर 41 रन से सात विकेट पर 67 रन हो गया। राशिद ने अपने दूसरे ओवर में खतरनाक लियाम लिविंगस्टोन (29), कोलिन इनग्राम (शून्य) और जैमी ओवरटन (शून्य) को लगातार गेंदों पर चलता किया। इससे पहले दिल्ली बुल्स के लिए रहमानुल्ला गुरबाज (69) और शेरफेन रदरफोर्ड (52) ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे।

रोनाल्डो ने 800 गोल के आंकड़े को पार किया, मैनचेस्टर युनाइटेड ने आर्सेनल को हराया

लंदन (एजेंसी) । पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को आर्सेनल पर 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने इस दौरान शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अपने 800 गोल पूरे किये। रोनाल्डो ने मैच के 52वें मिनट में गोल कर क्लब और देश के लिए मिलाकर 800 गोल के आंकड़े को पूरा किया। उन्होंने इसके बाद 70वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले एमिल स्मिथ ने 14वें और मार्टिन ओडेगार्ड ने 54वें मिनट में आर्सेनल के लिए जबकि ब्रुनो फर्नांडिस ने 44वें मिनट में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए गोल किया था। मैनचेस्टर की टीम ने जर्मनी के दिग्गज कोच राल्फ रेंगनिक के आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने से पहले यह जीत दर्ज की। पिछले महीने 21 तारीख को ओले गुनार सोल्सकर को बर्खास्त किए जाने के बाद पूर्व खिलाड़ी माइकल केरिक मैनचेस्टर युनाईटेड के प्रभारी की भूमिका निभा रहे थे। केरिक ने प्रभारी रहते टीम ने तीन मैच खेले लेकिन उसे किसी में भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर जाएगी या नहीं, बीसीसीआइ की सालाना बैठक में शनिवार को होगा फैसला

कोलकाता (एजेंसी) । टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाएगी या नहीं, इस पर शनिवार को कोलकाता में होने वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की 90वीं सालाना आम बैठक में फैसला लिया जा सकता है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के दिनोंदिन बढ़ते प्रसार के कारण भारत के अफ्रीकी दौरे पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। ओमिक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में ही सामने आया था। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली से कुछ दिन पहले इस सीरीज के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बोर्ड की सालाना बैठक में इसपर अंतिम निर्णय लिए जाने के संकेत दिए थे। ऐसे तो यह सीरीज बैठक के

आधिकारिक एजेंडे में शामिल नहीं है लेकिन टीम इंडिया के फ्यूचर टूर प्रोगाम्स (एफटीपी) पर बातचीत के दौरान इसपर चर्चा हो सकती है और संभव है कि लगे हाथों फैसला भी ले लिया जाए क्योंकि दौरे में अब ज्यादा दिन नहीं रह गए हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय टीम को आठ दिसंबर को जोहानिसबर्ग रवाना होना है। ऐसे में बीसीसीआइ को इसपर जल्द से जल्द फैसला लेना होगा। भारत को वहां तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीकी दौरे के लिए अब तक न तो टेस्ट, न वनडे और न ही टी-20 टीम का एलान हुआ है। 17 दिसंबर को पहला टेस्ट होना है। इस बैठक में आइपीएल की मेगा नीलामी की तारीखों का भी एलान हो सकता है। 24 बिंदुओं वाले एजेंडे में यह शुरुआती बिंदुओं में शामिल है। आइपीएल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी चुने जाएंगे। बैठक में हालिया संपन्न टी-20 विश्व कप में भारत के खराब प्रदर्शन पर भी चर्चा होगी। आइसीसी व नेशनल क्रिकेट एकेडमी से जुड़े मसलों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बीसीसीआइ में लोकपाल और नैतिकता अधिकारी की नियुक्ति पर भी निर्णय लिया जाएगा है। गौरतलब है कि इस साल जून में जस्टिस (रिटायर्ड) डीके जैन का कार्यकाल खत्म होने के बाद से बोर्ड बिना लोकपाल के काम कर रहा है। लंबे समय बाद कोलकाता में बीसीसीआइ की सालाना बैठक होने जा रही है, जो सौरव गांगुली का गृह नगर भी है। पिछली बैठक गत दिसंबर में अहमदाबाद में हुई थी।

मयंक ने मुंबई में दिखाया बल्ले का दम, न्यूजीलैंड के खिलाफ ठोका पहला टेस्ट शतक

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय ओपनर बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए शतक ठोक दिया। ये न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक रहा जबकि ओवर आल क्रिकेट के लंबे प्रारूप में ये उनका चौथा शतक रहा। मयंक अग्रवाल का ये शतक तब आया जब भारत के बेहतरीन बल्लेबाज व कप्तान विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा शून्य पर अपना विकेट गंवा बैठे थे साथ ही कानपुर टेस्ट में शतक लगाने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी कुछ खास नहीं कर पाए। मयंक अग्रवाल ने भारतीय धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाया। उन्होंने डेरिल मिचेल की गेंद पर चौका लगाकर अपना ये शतक पूरा किया। उन्होंने 196 गेंदों का सामना करते हुए अपने 100 रन पूरे किए और इस दौरान 3 छक्के और 13 चौके लगाए। मयंक अग्रवाल ने अपना पहला टेस्ट शतक साल 2019 में विशाखापत्तनम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाया था और 215 रन की पारी खेली थी तो वहीं इसी साल पुणे टेस्ट में इसी टीम के खिलाफ उन्होंने फिर 108 रन की पारी खेली। वहीं 2019 में ही उन्होंने इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ 243 रन की पारी खेली थी। इसके बाद अब जाकर उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया। उनके टेस्ट करियर के अब तक के चार शतक में दो दोहरा शतक शामिल है। मुंबई टेस्ट मैच से पहले ये अटकलें लगाई जा रही थी कि शायद उन्हें इस टेस्ट से पहले बाहर किया जाएगा, लेकिन अचानक से रवींद्र जडेजा, ईशांत शर्मा और अजिंक्य रहाणे चोटिल हो गए और मयंक को खेलने का मौका मिल गया। मयंक ने इसका जबरदस्त फायदा उठाया और शतक ठोक दिया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ये मयंक अग्रवाल का चौथा शतक रहा।

सीएसए अध्यक्ष नायडू ने कहाः भारत दौरे के संभावित स्थगन के बारे में कोई जानकारी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के अध्यक्ष लॉसन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि वह आगामी भारतीय टीम के दौरे के संभावित स्थगन होने को लेकर अनजान हैं। उन्होंने कहा कि सीएसए दौरे को अंजाम देने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ काम कर रहा है और शेड्यूल में किसी भी बदलाव को लेकर दोनों बोर्ड विचार-विमर्श करेंगे।

17 दिसंबर से 26 जनवरी तक तीन टेस्ट, तीन एकदिवसीय और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरे के लिए मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के खत्म होने के बाद भारत को 8 या 9 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होना था। दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के उभरने के साथ, यह दौरा अब अनिश्चितत है क्योंकि टेस्ट मैचों की संख्या घटाई जा सकती है। भारत ए की टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन चार दिवसीय मैचों में से दूसरा ब्लोमफोनटेन में खेल रही है। उन्होंने कहा, हम दक्षिण अफ्रीका के लिए भारतीय क्रिकेट दौरे के किसी भी संभावित स्थगन से अनजान हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीआई के साथ बातचीत कर रहे हैं कि भारत और साउथ अफ्रीका का दौरा आगे बढ़ाया जाए। शेड्यूल में किसी भी तरह के बदलाव पर दोनों बोर्ड चर्चा करेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीआई से लगातार संपर्क में हैं कि यह दौरा सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए सुरक्षित माहौल को देखते हुए रखा जाए। सीएसए अध्यक्ष ने भारत दौरे के वित्तीय महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, भारत का किसी भी देश का दौरा मेजबान देश के लिए एक बड़ा वित्तीय बढ़ावा है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई मैचों को आने वाले वर्षो के लिए पुनर्व्यवस्थित किया गया है। नायडू ने श्रीलंका और पाकिस्तान की मेजबानी का संदर्भ देते हुए दक्षिण अफ्रीका आने पर भारतीय टीम के लिए सुरक्षित उपायों के बारे में बताया।

यह हमेशा योजना बनाई गई थी कि खेल बीएसई (बायो-सिक्योर-एनवरोमेंट) सेट-अप के भीतर खेले जाएंगे, वही उपाय जो यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए थे कि इस साल की शुरुआत में श्रीलंका और पाकिस्तान के दौरे बिना किसी रोक-टोक के चलेंगे। भारतीय टीम अपनी यात्रा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार्टर्ड विमान से यात्रा करने वाली है। एक चार्टर्ड विमान उन्हें दक्षिण अफ्रीका ले जाएगा। वहां के होटलों को कोविड प्रोटोकॉल के नियमों का पालन करने को कहा गया है। गुरुवार को कोविड-19 के कारण दक्षिण अफ्रीका की चार दिवसीय प्रांतीय प्रतियोगिता के डिवीजन दो में नवीनतम दौर के मैचों को स्थगित करने के बारे में पूछे जाने पर, नायडू ने बताया कि टीमें बीएसई में नहीं रह रही थीं।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ये घरेलू खेल जैव-सुरक्षित बुलबुले के भीतर नहीं खेले गए हैं, और एक बार जब कुछ खिलाड़ियों का टेस्ट किया तो कोविड जांच पॉजिटिव आई हैं। तब हमने खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए खेलों को स्थगित करने का काम किया। दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 संक्रमण की चौथी लहर देखने के साथ, जब सीरीज होगी तो प्रशंसकों के स्टेडियम में प्रवेश करने पर संदेह पैदा हो गया है। उसी के बारे में बात करते हुए, नायडू ने कहा, मौजूदा नियमों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में खेलों में 2,000 दर्शकों की अनुमति है।

वार्न की आलोचना के बावजूद टीम में शामिल स्टार्क और ल्योन एशेज में अपने जलवे दिखाएंगेः रोजर्स

सिडनी (एजेंसी) । विक्टोरिया के मुख्य कोच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर क्रिस रोजर्स ने कहा कि एशेज सीरीज के लिए टीम में मिशेल स्टार्क और नाथन ल्योन

को शामिल करने की आलोचना कर शेन वार्न ने फिर से हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ी आठ दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अपनी काबिलियत साबित करेंगे। स्पिन के दिग्गज शेन वार्न ने हाल ही में दुबई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप में प्रदर्शन के बाद टीम में स्टार्क के शामिल किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर जीता था। टीम के गेंदबाज स्टार्क ने फाइनल में बिना विकेट लिए चार ओवर में 60 रन दिए थे। रोजर्स ने शुक्रवार को 1170 सेन ब्रेकफास्ट पर कहा, वार्न सुर्खियों में रहना चाहते है इसलिए वे इस तरह की आलोचना करते रहते हैं, नहीं तो कौन जानता है कि वार्न के पास क्या जानकारी है। पिछले सीजन में ऑफस्पिनर ल्योन ने सात पारियों में 55 की औसत से केवल नौ विकेट लिए थे। 2016-17 की घरेलू सीरीज में उनका थोड़ा खराब प्रदर्शन रहा था।

वॉर्न ने फॉक्स क्रिकेट पर गुरुवार को कहा, अगर वह पिछले सीजन की तरह गेंदबाजी करते है, तो आपको टीम में बहुत जल्दी बदलाव करना होगा। रोजर्स ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति को ल्योन का समर्थन करना चाहिए, जो 400 विकेट पूरा करने में एक विकेट दूर हैं। रोजर्स ने कहा, मैं नहीं मानता कि नाथन ल्योन को एक सीरीज के बीच में हटा दिया जाएगा।

वार्न लेग स्पिनर मिच स्वेपसन को शामिल करने की मांग कर रहे हैं। रोजर्स ने भी स्टार्क के लिए अपना समर्थन घोषित किया, जिन्होंने भारत के खिलाफ सीरीज में 40 की औसत से 11 विकेट लिए। दूसरी ओर, वार्न पहले एशेज टेस्ट के लिए झे रिचर्डसन का समर्थन कर रहे थे। रोजर्स ने कहा, एक बड़ी सीरीज में रिचर्डसन को भी मौका दिया जाएगा।

पुजारा फिर विफल और कोहली विवादास्पद फैसले में आउट, न्यूजीलैंड ने दिये भारत को तीन झटके

मुंबई (एजेंसी) । चेतेश्वर पुजारा की खराब फॉर्म जारी रही जबकि कप्तान विराट कोहली को विवादास्पद पगबाधा के फैसले पर आउट दिया गया जिससे भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बारिश से प्रभावित शुरूआती दिन चाय तक तीन विकेट पर 111 रन बना लिये। शुभमन गिल (71 गेंद में 44 रन) आउट होने से पहले तेजी से रन जुटा रहे थे लेकिन मुंबई में जन्में बायें हाथ के स्पिनर एजाज पटेल (30 रन देकर तीन विकेट) ने उनके अलावा पुजारा और कोहली के लगातार गेंदों पर विकेट झटक लिये। पुजारा और कोहली शून्य पर आउट हुए। मयंक अग्रवाल 52 रन बनाकर खेल रहे हैं। शुरू में थोड़ी परेशानी भरी शुरूआत के बाद वह श्रेयस अय्यर के साथ अच्छी लय में दिख रहे थे। शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद फिर अय्यर उतरे और सात रन बनाकर खेल रहे थे। भारत को तीन झटके देने का श्रेय पटेल को जाता है जो मुंबई में जन्में इंग्लैंड के कप्तान डगलस जारडाइन के बाद इस शहर में जन्में और भारत के खिलाफ खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर हैं। पटेल ने अपनी लेंथ का चतुराई से इस्तेमाल किया और वानखेड़े की विशेषता अतिरिक्त उछाल का पूरा फायदा उठाया। पटेल ने गिल को बाहर खेलने के लिये उकसाया और

विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल ने उन्हें स्टंपिंग का प्रयास किया। पर अगली ही गेंद में पटेल ने शार्ट लेंथ गेंद फेंकी जो गिल के बल्ले के किनारे को छूकर स्लिप में खड़े रॉस टेलर के हाथों में समा गयी। कई सारी विफलताओं के बाद पुजारा का आत्मविश्वास गिरा हुआ है और वह डीआरएस की अपील पर बचने के बाद पटेल का दूसरा शिकार बने। कप्तान कोहली ने पटेल की गेंद पर आगे बढ़कर रक्षात्मक स्ट्रोक खेलने की कोशिश की और अंपायर अनिल चौधरी ने उन्हें आउट दे दिया। भारतीय कप्तान ने तुरंत रिव्यू लेने का फैसला लिया। रिप्ले में यह स्पष्ट नहीं हो रहा था कि गेंद पहले बल्ले पर लगी है या पैड पर। और नियमों के अनुसार टीवी अंपायर वीरेंद्र वर्मा को मैदानी साथी के फैसले को मानना पड़ा जिससे कोहली काफी नाराज दिख रहे थे। उन्होंने इस पर अंपायर नितिन मेनन से बात भी की और उनकी निराशा साफ देखी जा सकती थी। टीवी कैमरा में वह ड्रेसिंग रूम की बालकनी में खड़े हुए दिख रहे थे जिसमें वह फैसले से काफी निराश दिख रहे थे। इससे पहले भारत के दोनों सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरूआत करायी। गिल ने काइल जैमीसन पर तीन बाउंड्री से शुरूआत की। मयंक ने पटेल की गेंद पर एक छक्का जमाया जबकि गिल ने विल समरविले पर डीप मिडविकेट पर एक छक्का जड़ा। गिल के आउट होने के बाद पटेल ने न्यूजीलैंड को मैच में वापसी करायी। इस दौरान मयंक ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

विश्व एथलेटिक्स के पूर्व विवादित प्रमुख लामिने डियाक का निधन

पेरिस (एजेंसी) । रूस के खिलाड़ियों (एथलीटों) के डोपिग मामले को दबाने के लिए रिश्वत लेने के आरोपी विश्व एथलेटिक्स के पूर्व प्रमुख लियाम डियाक का निधन हो गया। उनके परिवार ने शुक्रवार को

इसकी पुष्टि की। वह 88 साल के थे। उनकी भतीजी ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, '' हां मैं पुष्टि कर सकती हूं कि मेरे चाचा लामिने डियाक का गुरुवार की रात को निधन हो गया। '' वह सेनेगल में कई राजनीतिक पदों पर रहने के बाद 1999 से 2015 तक विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख रहे थे। डोपिंग मामलों में शामिल रूस के एथलीटों द्वारा रिश्वत लेने और सेनेगल में राजनीतिक अभियानों रूस के हस्तक्षेप को दबाने के लिए डियाक को चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी। लगभग दो दशक तक ओलंपिक और एथलेटिक्स की दुनिया में शीर्ष पर रहने वाले डियाक को उनके कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कई आरोपों में दोषी ठहराया गया और सितंबर 2020 में पेरिस में चार साल की सजा सुनायी गई। इसमें कुछ मामले रूस के डोपिंग घोटाले से संबंधित थे।

बेल्जियम ने शूटआउट में स्पेन को हराया, अब पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफमें नीदरलैंड से होगी भिड़ंत

भुवनेश्वर (एजेंसी) । पिछले चरण की उप विजेता बेल्जियम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शुक्रवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप के क्लासिफिकेशन मैच में स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। बेल्जियम का सामना अब पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में नीदरलैंड से होगा जिसने एक अन्य क्लासिफिकेशन मैच में मलेशिया को 9-3 से हराया। स्पेन ने चौथे मिनट में पॉऊ कुनिल के पेनल्टी कॉर्नर से किये गये गोल से बढ़त बनाकर शानदार शुरूआत की। कुनिल ने फिर 24वें मिनट में दूसरा गोल कर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। बेल्जियम के लिये जेरेमी विलबर्स ने 33वें मिनट में गोल कर

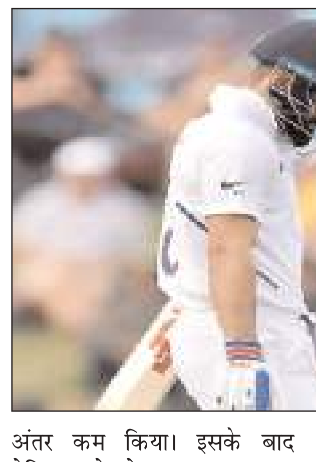

अंतर कम किया। इसके बाद बेल्जियम ने स्पेन पर दबाव बनाना जारी रखा और गोल करने के कई मौके बनाये। हूटर बजने से चार मिनट पहले थिबियू स्टॉकब्रोक्स ने 56वें मिनट में बेल्जियम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया जिससे मैच शूटऑउट में चला गया। शूटऑउट में बेल्जियम ने रमन डूवेकोट, स्टॉकब्रोक्स, टोबियास बिकेन्स और विलबर्स ने गोल किये जबकि मैनुअल रोड्रिगेज और बोर्जा लासेला ने स्पेन के लिये गोल करने से चूक गये। दिन के दूसरे क्लासिफिकेशन मैच में नीदरलैंड के माइल्स बुकेन्स (तीसरे, 38वें और 60वें) और ल्यूक डोमर्सहुईजेन (चौथे, 14वें, 34वें) ने हैट्रिक की जबकि डेविड हुसैन (51वें और 57वें) ने दो गोल दागे। उसके लिये एक अन्य गोल मैक्स डि बिए ने 37वें मिनट में किया। स्पेन और मलेशिया अब रविवार को सातवें-आठवें स्थान के प्लेऑफ में एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

जूनियर हॉकी विश्व कप पर कोरोना का साया, एक व्यक्ति पॉजिटिव

भुवनेश्वर (एजेंसी) । कड़े प्रोटोकॉल के बावजूद यहां चल रहा जूनियर हॉकी विश्व कप कोरोना महामारी की चपेट में आ गया है और शुक्रवार को एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया जो कलिंगा स्टेडियम पर मीडिया सेंटर के संपर्क में था। बायो बबल के भीतर होने और इसकी कवरेज के लिये आये मीडिया की हर 48 घंटे में आरटी पीसीआर जांच होने के बावजूद गुरूवार को कराये गए टेस्ट में एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया। स्थानीय आयोजन समिति के एक सदस्य के अनुसार यह व्यक्ति ओडिशा सरकार के खेल और युवा कार्य विभाग की सोशल मीडिया टीम का सदस्य है। इस घटना से आयोजकों में दहशत फैल गई और सभी पत्रकारों के लिये शुक्रवार को आरटी पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया जिसके बिना उन्हें मीडिया सेंटर पर प्रवेश नहीं मिलेगा। स्थानीय अधिकारी ने कहा ,'' आज सभी के लिये आरटी पीसीआर अनिवार्य है जो मीडिया सेंटर आना चाहते हैं और बाकी टूर्नामेंट कवर करना चाहते हैं।हर 48 घंटे में टेस्ट हो रहा है लेकिन ओडिशा

खेल विभाग की सोशल मीडिया टीम के एक सदस्य के पॉजिटिव पाये जाने के बाद यह अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा ,''वह रोज मीडिया सेंटर आ रहा था। उसके संपर्क में आये लोगों की पहचान की गई है। मीडिया सेंटर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों के लिये टेस्ट अनिवार्य है।'' 25 नवंबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अभी तक कोई घटना नहीं हुई थी। इसे दर्शकों के बिना बायो बबल में आयोजित किया जा रहा है और मीडिया को भी कड़े कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना पड़ रहा है। भारत के मैचों में हालांकि मैदान में दर्शक दिख रहे हैं। बेल्जियम के खिलाफ बुधवार को क्वार्टर फाइनल में करीब 3000 दर्शक थे। राज्य के सूचना अधिकारी सुजीत रंजन स्वेन ने एक बयान में कहा ,'' इनमें अधिकांश खेल होस्टल के छात्र, स्टाफ या कोच हैं। कुछ परिवार के साथ आये होंगे।कुछ परिवार परिसर में ही रह रहे हैं। भारतीय खिलाड़ियों के परिवार के भी 70.90 सदस्य थे। कुछ हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों के परिवार और कुछ पूर्व हॉकी खिलाड़ी भी थे।'' टूर्नामेंट की शुरूआत से पहले ही आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने कोरोना महामारी के कारण नाम वापिस ले लिया था।

पता नहीं मैं फिर चल पाऊंगा या नहीं, लेकिन भाग्यशाली हूं कि जिंदा हूंः क्रिस केर्न्स

ऑकलैंड (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस केर्न्स को नहीं पता कि वह फिर कभी चल पाएंगे या नहीं, लेकिन वह खुद को भाग्यशाली मानते है कि जानलेवा सर्जरी के बाद भी जिंदा है। उनके कमर का निचला हिस्सा हालांकि लकवाग्रस्त हो गया है। तीन महीने पहले उनकी दिल की सर्जरी की गयी जिसके बाद उन्हें कई और सर्जरी से गुजरना पड़ा जिससे उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया और इसी दौरान 'स्पाइनल स्ट्रोक' के कारण उनके शरीर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। यह 51 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी उबरने की कोशिश कर रहा है। वह सर्जरी के चार महीने बाद कैनबरा विश्वविद्यालय के अस्पताल में एक विशेष पुनर्वास सुविधा में स्वास्थ्य लाभ ले रहे है। उन्होंने 'स्टफ डॉट सीओ डॉट एनजेड' से कहा, '' मुझे पता नहीं है कि मैं फिर से कभी चल पाउंगा या नहीं, मैंने इस स्थिति से समझौता कर लिया है।'' उन्होंने कहा, ''अब यह समझने की जरूरत है कि मैं व्हीलचेयर की मदद से एक पूर्ण और आनंदमय जीवन जी सकता हूं लेकिन इसके साथ सामंजस्य बैठाना थोड़ा अलग होगा।''

अपने समय के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में से एक केर्न्स ने न्यूजीलैंड के लिये 62 टेस्ट, 215 वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' मेरी चोट (बीमारी) को 14 सप्ताह हो चुके हैं और जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ऐसा लगता है जैसे मैं पूरी जिंदगी इसे झेल रहा हूं। मुझे उन आठ दृ नौ दिनों के बारे में कुछ पता नहीं जब मेरी चार 'ओपन हार्ट सर्जरी ' हुई थीं।

मलयालम फिल्म मारक्कर हुई रिलीज, पहला शो देखने पहुंचे मोहनलाल

मलयालम फिल्म मारक्करः द लायन ऑफ अरेबियन सी गुरुवार को रिलीज हो गई है। सुपरस्टार मोहनलाल अपनी फिल्म का पहला शो देखने थिएटर पहुंचे। उन्हें देखकर प्रशंसक हैरान हो गए। बारिश के बावजूद, उनके प्रशंसकों ने बारिश में एक झलक पाने के लिए लंबे समय तक अभिनेता का इंतजार किया, आखिरकार उनकी इच्छा पूरी हुई जब वह आधी रात के करीब यहां एक थिएटर में अपनी पत्नी सुचित्रा और फिल्म के निर्माता एंटनी पेरुंबवूर के साथ पहुंचे। पुलिस को स्टार को थिएटर के अंदर ले जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह फिल्म पिछले साल मार्च से रिलीज होने का इंतजार कर रही है, लेकिन कोविड महामारी के बीच इसे स्थगित करना पड़ा और आखिरकार इसे

दुनिया भर में 4,100 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया। फिल्म पर प्रतिक्रिया देते हुए, मोहनलाल ने कहा कि इससे एक नई शुरूआत हुई है। उम्मीद है ये फिल्म उद्योग के लिए एक नई ताकत बनेंगी। अभिनेता ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग सिनेमाघरों में फिल्म देखने आएं। फिल्म में काफी अच्छी भूमिका निभाने वाले दिग्गज अभिनेता सिद्दीक ने कहा कि पहला शो और वह भी मोहनलाल के साथ देखकर बहुत अच्छा लगा। सिद्दीक ने कहा कि हम सभी को जो सामान्य धारणा मिली, वह बहुत अच्छी तरह से सामने आई है और मलयालम सिनेमा नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। हमने साबित कर दिया है कि हम किसी से पीछे नहीं हैं। मुख्य आकर्षण मोहनलाल का शानदार प्रदर्शन रहा है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, रिलीज से पहले इस फिल्म को 2019 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के रूप में चुना गया था, इसके अलावा अनुभवी निर्देशक के युवा बेटे सिद्धार्थ प्रियदर्शन ने अमेरिका में विशेष प्रभावों का अध्ययन करके, सर्वश्रेष्ठ विशेष प्रभावों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है। फिल्म के लिए एक और विजेता सुजीत सुधाकर थे जिन्होंने सर्वश्रेष्ठ पोशाक डिजाइनर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। मैग्नम ओपस कालीकट के जमोरिन के प्रसिद्ध नौसैनिक प्रमुख कुन्हाली मराक्कर की कहानी बताता है, जिन्हें अक्सर भारतीय तट की पहली नौसैनिक रक्षा के आयोजन के लिए जाना जाता है। स्टार कास्ट में मंजू वारियर के अलावा दक्षिण भारत और बॉलीवुड के अभिनेता और चार ब्रिटिश अभिनेता और एक चीनी अभिनेता शामिल हैं।

निर्देशक राघवेंद्र राव ने सीएम से टिकट की कीमतों वाले विधेयक पर पुनर्विचार करने की अपील की

वेटरन तेलुगु निर्देशक के. राघवेंद्र राव ने आंध्र प्रदेश में टिकट दरों के मुद्दे पर खुल कर बात की है। इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश सरकार के रुख पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए, निर्देशक ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर पारित विधेयक पर पुनर्विचार करने की अपील की है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी को लिखे एक पत्र में, वरिष्ठ फिल्म निर्माता ने सिनेमाघरों में टिकट प्रवेश दरों में कमी पर सरकार के रुख पर पुनर्विचार करने को कहा है। राव ने कहा कि मौजूदा महामारी से संबंधित समस्याओं के साथ, फिल्म उद्योग केवल 10-20 प्रतिशत सफलता अनुपात देखता है। सैकड़ों परिवार सफलता के उस प्रतिशत पर निर्भर करते हैं। वितरक, व्यापारी, थिएटर मालिक और कई अन्य लोग इस छोटी सी सफलता पर जीवित रहते हैं। ऑनलाइन मूवी टिकटिंग के बारे में, राव ने लिखा, क्या होगा यदि प्रभावित लोग ऑनलाइन टिकट फ्रीज कर दें और काला बाजार में बेच दें? संभावनाएं हैं, है ना? इसलिए, मैं सरकार से ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के बारे में लिए गए निर्णयों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध कर रहा हूं। लोकप्रिय निर्देशक ने आगे सुझाव दिया कि सरकार को आधिकारिक तौर पर किसी भी फिल्म की रिलीज के पहले सप्ताह के लिए टिकट दरों में वृद्धि करनी चाहिए, जिससे उन्हें करों से अधिक राजस्व उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से उद्योग के साथ न्याय करने का आग्रह किया। राघवेंद्र राव उन गिने-चुने हस्तियों में शामिल हैं, जिन्होंने इस मुद्दे पर राज्य सरकार की खुलकर आलोचना की है। **(एजेंसी)**

अखंड देखने के बाद एनटीआर ने बालकृष्ण की तारीफ

नंदामुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंड बॉक्स ऑफिस पर सीजन की सबसे बड़ी ओपनर्स में से एक बन गई है। हर तरफ से सुपर पॉजिटिव रिपोर्ट के साथ, फिल्म ने कुछ मशहूर हस्तियों से भी वाहवाही बटोरी है। अखंड देखने वाली तेलुगु हस्तियां दिन भर फिल्म की तारीफ करते हुए ट्वीट करती रही हैं। महेश बाबू, नानी, संदीप किशन, राम पोथिनेनी, गोपीचंद मालिनेनी, और कई अन्य लोगों ने अपने-अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अपना उत्साह व्यक्त किया है। फिल्म अखंड देखने वाले एनटीआर ने अपने चाचा नंदमुरी बालकृष्ण को बधाई दी और ट्वीट किया, अभी-अभी हैशटैग अखंड देखी है। बाला बाबाई और पूरी टीम को इस शानदार सफलता के लिए बधाई। जाहिर तौर पर, बालकृष्ण की अखंड टॉलीवुड के लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है, क्योंकि महामारी की दूसरी लहर के बाद इसे रिलीज किया जा रहा है। तेलुगु के लोकप्रिय फिल्म निर्माता बोयापरी श्रीनु द्वारा अभिनीत, फिल्म अखंड में नायिका के रूप में प्रज्ञा जायसवाल हैं।

आंध्रप्रदेश में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के प्रयासों में शामिल हुईं टॉलीवुड की बड़ी हस्तियां

आंध्र प्रदेश में आई विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर टॉलीवुड की बड़ी हस्तियां बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान देने के लिए आगे आई हैं। टॉलीवुड स्टार जूनियर एनटीआर, महेश बाबू, राम चरण, अल्लू अर्जुन और चिरंजीवी ने 25-25 लाख रुपये का दान दिया है। आंध्र प्रदेश में हाल ही में आई बाढ़ ने नेल्लोर, तिरुपति और चित्तूर जैसे स्थानों को प्रभावित किया है। बाढ़ से सैकड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। उनमें से कुछ आज तक बेघर हैं, जबकि किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे उनकी सिंचित भूमि और सीजन के लिए फसलें बर्बाद हो गई हैं। कई तेलुगू अभिनेता आंध्र प्रदेश की मदद के लिए आगे आए क्योंकि उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास प्रयासों में सहायता के लिए आंध्रप्रदेश मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रत्येक को 25 लाख रुपये का योगदान दिया। महेश बाबू ने कहा, आंध्र प्रदेश में विनाशकारी बाढ़ के आलोक में, मैं सीएमआरएफ के लिए 25 लाख रुपये का योगदान देना चाहूंगा। सभी से अनुरोध है कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश की मदद के लिए आगे आएं। राम चरण ने कहा, आंध्र प्रदेश में विनाशकारी बाढ़ के कारण लोगों की पीड़ा को देखकर दिल भारी होता है। राहत कार्यों में मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये का मामूली योगदान दे रहा हूं। **(एजेंसी)**

निया शर्मा को नहीं मिल रहा काम, कहा- 'खाली बैठने पर यह दिमाग में चलता रहता है'

निया शर्मा टीवी की टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। इसके साथ वह सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस की वजह से जानी जाती हैं। उन्होंने कई हिट सीरियल्स दिए हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस वक्त निया के पास कोई काम नहीं है। यह उन्होंने खुद बताया है। वह आखिरी बार 2020 में टीवी पर नजर आई थीं तब से उनका कोई प्रोजेक्ट नहीं आया है। हालांकि बीच-बीच

में उनके म्यूजिक वीडियोज आते रहे हैं लेकिन लंबे समय तक चलने वाले सीरियल अभी निया के पास नहीं हैं। उनका कहना है कि उन्हें किसी ने अप्रोच ही नहीं किया ऐसे में टीवी से दूर रहने का फैसला उनका खुद का नहीं है बल्कि उनकी मजबूरी भी है। निया का मानना है कि ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई काम नहीं मिल रहा है वह खुद को व्यस्त रखे हुए हैं लेकिन अगर टीवी सीरियल जैसे लगातार चलने वाले काम ना तो तो उन्हें सोचना पड़ जाता है कि अब आगे क्या। हमारे सहयोगी हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए निया ने कहा कि 'ईमानदारी से कहूं तो मेरे पास अभी कोई काम नहीं है। मैं जानबूझकर इससे दूर नहीं हूं, इस साल मुझे कोई ऐसा काम नहीं मिला। मुझे नहीं पता ऐसा क्यों है। किसी ने मुझे अप्रोच नहीं किया। वह आगे कहती हैं, 'काम ना होना अच्छा महसूस नहीं कराता है। मैं काम से एकदम बाहर हूं, ऐसा नहीं है लेकिन जब आप लंबे समय तक घर बैठते हैं तो यह दिमाग में चलने लगता है।

राम माधवानीः मैं महिला पात्रों को चुनता हूं क्योंकि मुझे कहानियों, विषयों में दिलचस्पी है

नीरजा और क्राइम-थ्रिलर आर्या के निर्देशक राम माधवानी ने प्रभावशाली महिला पात्रों को स्केच करने का गौरव अर्जित किया है,जो उनकी कलाकृति में कथा प्रवाह को प्रभावित करते हैं। हालांकि, निर्देशक का कहना है कि वह अपनी कहानियों को शीर्षक देने के लिए

जानबूझकर महिला पात्रों का चयन नहीं करते हैं। कहानी की जड़, पात्रों की गहराई, कहानी जिन विषयों को छूती है और उन कहानियों के लिए एक फिल्म निर्माता के रूप में अपनी आवाज कैसे दे सकते हैं, वह उन्हें सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। इस विषय पर अपने विचार साझा करते हुए, राम ने कहा कि नीरजा भी एक महिला उन्मुख विषय था, आर्या भी एक महिला उन्मुख विषय है। वे महिला उन्मुख हैं, इसलिए मैं उन्हें चुनता हूं क्योंकि मुझे चरित्र में, कहानी में, जो मैं कहना चाहता हूं, विषयों में दिलचस्पी है। धरम की थीम को जोड़ते हुए उन्होंने कहा, आप क्या करेंगे? आपके कर्तव्य क्या हैं? एक बेटी के रूप में एक मां के रूप में आपकी क्या जिम्मेदारियां हैं? मुझे लगता है कि वे प्रश्न पूछे गए थे और सीजन 2 में, आप, मैं उन प्रश्नों को देखूंगा जो समाज के सामने एक मूल्य प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या ओटीटी के माध्यम ने सामग्री परिदृश्य में अधिक महिला पात्रों में योगदान दिया है, निर्देशक ने कहा, मुझे नहीं पता कि ओटीटी ने इसमें योगदान दिया है या नहीं। यहां तक कि ओटीटी के आने से पहले कई वर्षों तक, टेलीविजन शो भी महिला उन्मुख सामग्री थी।

वरुण तेज की फिल्म घनी की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

तेलुगु अभिनेता वरुण तेज अपनी आगामी फिल्म घनी से दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालाँकि, ऐसी चर्चा है कि स्पोर्ट्स ड्रामा की रिलीज को स्थगित कर दिया गया है। घनी के निर्माता ने रिलीज टाल दी हैं। हालांकि, सूत्रों का मानना है कि फिल्म मार्च 2022 में स्क्रीन पर आएगी। घनी 24 दिसंबर को नानी की श्याम सिंघा रॉय से टकराने वाली थी, जिसके चलते इसे स्थगित कर दिया गया है।

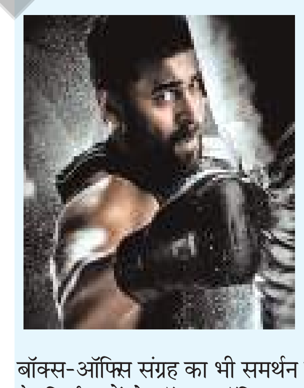

खबर है कि सिनेमाघरों में टकराव से बचने के लिए गनी और श्याम सिंघा रॉय के निमार्ता आम सहमति पर आ गए हैं। विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि एकल रिलीज फिल्मों को अच्छी मात्रा में ध्यान देने के साथ-साथ बॉक्स-ऑफिस संग्रह का भी समर्थन करेगी। इसलिए, लगता है कि घनी के निर्माताओं ने बॉक्स-ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया है। किरण कोरापति द्वारा अभिनीत, घनी एक बॉक्सर के परिवर्तन की कहानी है। वरुण तेज ने फिल्म के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने भूमिका में फिट होने के लिए एक शारीरिक परिवर्तन भी किया है।

विकी कौशल-कटरीना की शादी में दिखे ड्रोन तो मार गिराने के आदेश

कटरीना कैफ और विकी कौशल फाइनली 9 दिसंबर को शादी कर रहे हैं। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की डीएम की चिट्ठी से यह बात साबित हो चुकी है दोनों 9 दिसंबर को सात फेरे लेंगे। यह बात जानकर फैन्स की खुशी का ठिकाना नहीं है। लेकिन विकी और कटरीना अपनी शादी को एकदम प्राइवेट रखने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। यहां तक कि उनकी शादी में किसी भी मेहमान या अन्य व्यक्ति को फोटो लेने की इजाजत नहीं होगी। खबरों के मुताबिक, विकी और कटरीना ने अपनी शादी में आने वाले मेहमानों के लिए ढेर सारी शर्तें रखी हैं और इन्हीं में एक और शर्त जोड़ दी है। 'इंडियाटुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के वेन्यू या इसके आसपास अगर कोई ड्रोन उड़ता दिखा तो उसे मार गिराया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जाएगा ताकि शादी से जुड़ी किसी फोटो या वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करने से रोका जा सके। रिपोर्ट के

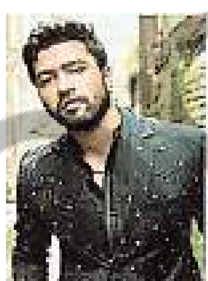

मुताबिक, सोर्स ने बताया कि विकी कौशल और कटरीना कैफ ने शादी में आने वाले मेहमानों से 'नो फोटो एनडीए' क्लॉज भी साइन करवाया है। सोर्स ने बताया कि प्राइवेसी मेनटेन करने के लिए वेन्यू के पास किसी ड्रोन को भी नहीं फटकने दिया जाएगा और अगर कोई ड्रोन नजर आया तो उसे शूट कर गिरा दिया जाएगा। वहीं विकी और कटरीना ने अपनी शादी के लिए इंटरनैशनल फटॉग्रफर मारिया टेस्टीनो को हायर किया है। वह ही शादी की सारी तस्वीरें और वीडियो शूट करेंगे। कटरीना और विक्की की शादी में किसी भी मेहमान को मोबाइल या कैमरा ले जाने की इजाजत नहीं होगी। **(एजेंसी)**

काव्या ने घमासान लड़ाई में दबाया अनुपमा की बहू नव्या का गला!

अनुपमा टीवी शो इन दिनों काफी पसंद किया जा रहा है। इस शो की पॉपुलेरिटी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। शो का हर कलाकार अपने आप में काफी पॉपुलर है। फिर चाहे शो में अनुपमा का रोल प्ले करने वाली रुपाली गांगुली हो या काव्या यानी मदालसा शर्मा या फिर शो के अन्य कलाकार। हर किसी की अपनी एक खास फैन फॉलोइंग है। टीआरपी लिस्ट में भी ये शो हमेशा ही टॉप पायदान पर रहता है। वहीं इस शो के कलाकार एक्टिंग के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। आए दिन स्टार्स अपने को-स्टार्स संग रील वीडियो और तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

इसी बीच एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शो के दो स्टार्स आपस में घमासान लड़ाई करते नजर आ रहे

हैं। अनुपमा में काव्या का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस मदालसा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में वह अनुपमा की बहू नव्या यानी अनघा भोसले के साथ मारपीट करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों तोड़-फोड़ के अलावा मदालसा, अनघा का गला दबाते नजर आ रही हैं। अगर आपको ऐसा लग रहा है कि उनके बीच ये झगड़ा वाकई में सच में हो रहा है तो परेशान होने की जरुरत नहीं है। मदालसा और अनघा असल में नहीं, मजाक में एक दूसरे से झगड़ा कर रही हैं। ये महज एक फनी वीडियो है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को फैंस काफी एंजॉय कर रहे हैं। आपको बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब अनघा भोसले और मदालसा शर्मा के किसी वीडियो के इनता पसंद किया गया हो। इससे पहले भी इन दोनों एक्ट्रेस के कई फनी वीडियोज सामने आ चुके हैं। वहीं दोनों अक्सर ही एक साथ की अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। अनघा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अनुपमा शो के अलावा कई टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। वहीं अक्सर वह अपने इंस्टा रील वीडियोज को लेकर भी चर्चा में आती हैं। **(एजेंसी)**

माइग्लैम फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स 2021 के लिए नामांकन की घोषणा

फिल्मफेयर माइग्लैम फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स 2021 के साथ ओटीटी उद्योग कलात्मक और तकनीकी प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वेब सीरीज और वेब फिल्मों के लिए अंतिम नामांकन दर्शकों के वोटों के आधार पर तय किया गया। फिल्मफेयर मुंबई में 9 दिसंबर को एक विशेष कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा और तकनीक का सम्मान करेगा। हंसल मेहता की स्कैम 1992: द हर्षद मेहता स्टोरी ने सभी श्रेणियों में 14 नामांकन प्राप्त किए। मिर्जापुर और द फैमिली मैन के प्रशंसकों ने सुनिश्चित किया कि इन दोनों थ्रिलर के दूसरे सीजन ने क्रमशः 13 और 12 नामांकन अर्जित किए। वेब ओरिजिनल सीरीज में मनोज बाजपेयी, प्रतीक गांधी, पंकज त्रिपाठी, सामंथा, श्रेया धनवंतरी, श्वेता त्रिपाठी जैसे अभिनेता-अभिनेत्रियों के रूप में पुरस्कार जीतने की दौड़ में हैं। इसी तरह, नसीरुद्दीन शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, मानव कौल, रत्ना पाठक शाह, काजोल और कोंकणा सेन शर्मा जैसे अनुभवी अभिनेताओं को वेब मूल फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रमशः पुरुष और महिला) जीतने के

लिए नामांकित किया गया है। मनोज बाजपेयी एकमात्र ऐसे अभिनेता भी हैं, जिन्हें फिल्म और सीरीज, दोनों श्रेणियों में नामांकन मिला है। फिल्मफेयर के संपादक जितेश पिल्लई ने कहा, मैं इस प्रक्रिया में इतनी लगन से भाग लेने के लिए दर्शकों को धन्यवाद देना चाहता हूं, आपका योगदान बेजोड़ है। पिछले साल कुछ लुभावनी कहानियां और प्रदर्शन देखे गए, जिनमें से प्रत्येक ने एक-दूसरे से बेहतर प्रदर्शन किया। युवा प्रतिभाओं के लिए भारतीय मनोरंजन जगत का भविष्य वास्तव में उज्जवल है। यह वास्तव में एक करीबी लड़ाई होने जा रही है। गुड ग्लैम ग्रुप के संस्थापक और सीईओ दर्पण संघवी ने कहा, हम माइग्लैम में ओटीटी स्पेस में प्रतिभा की रोमांचक पहचान करने के लिए फिल्मफेयर के साथ साझेदारी से बेहद उत्साहित हैं। यह बात इसे और भी खास बनाती है कि प्रशंसक वोट करने और विजेताओं को चुनने में सक्षम हैं। माइग्लैम में हम अपने उपभोक्ताओं से डिजिटल रूप से जुड़ते हैं, उनकी जरूरतों को सुनते हैं और फिर उन जरूरतों के आधार पर उत्पाद बनाते हैं। माइग्लैम के इस संस्करण के लिए फिल्मफेयर के साथ साझेदारी करना सौभाग्य की बात है। फिल्मफेयर ओटीटी अवार्डस ने दर्शकों के साथ तालमेल बिठाया है। **(एजेंसी)**

एक्शन थ्रिलर कंधार में जेराई बटलर के साथ नजर आएंगे अली फजल

अभिनेता अली फजल जेरार्ड बटलर के साथ कंधार नामक एक एक्शन थ्रिलर में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कंधार का निर्देशन रिक रोमन वॉ कर रहे हैं, जिन्होंने एंजेल हैस फॉलन, फेलॉन, ग्रीनलैंड जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। इस लिस्ट में जेके सिमंस के साथ आने वाली एक फिल्म नेशनल चौंपियंस भी शामिल हैं। परियोजना का हिस्सा बनने पर उत्साहित अली ने कहा, मैं हमेशा नए और रोमांचक उपक्रमों के लिए तत्पर रहता हूं। हम जल्द ही शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं।

कंधार पटकथा पर आधारित है, जिसे निर्देशक ने पूर्व सैन्य खुफिया अधिकारी मिशेल लाफॉर्च्यून के साथ मिलकर बनाया था। अफगानिस्तान में डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी में मिशेल के अनुभवों ने कहानी को आकार दिया है और फिल्म की मुख्य फोटोग्राफी जल्द ही सऊदी अरब में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण जॉन विक और सिसेरियो, जी-बेस और कैपस्टोन ग्रुप के निर्माता थंडर रोड फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। वहीं अली जल्द ही आरती कदव की एक अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे। अभिनेता ने कुछ दिन पहले अपने इंस्टाग्राम पर फ्यूचरिस्टिक स्पेस फिल्म का पहला लुक साझा किया था। **(एजेंसी)**